www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, मंगलवार, 15 अगस्त, 2023 | वर्ष-16 | अंक -130 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

शुभकामनाएं

स्वतंत्रता दिवस की 76वीं वर्षगांठ पर देशबन्धु के पाठकों, अभिकर्ताओं, विज्ञापनदाताओं व शुभचिंतकों को हार्दिक बधाई तथा शुभकामनाएं।

आज अवकाश

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर देशबन्धु कार्यालय में मंगलवार 15 अगस्त को अवकाश रहेगा। पाठकों को देशबन्धु का अगला अंक गुरुवार, 17 अगस्त को प्राप्त होगा।

- संपादक

खुदरा महंगाई दर 7 फीसदी के पार

आरबीआई की ओर से तय दायरे से बाहर निकली महंगाई दर

- जुलाई में बढ़कर 7.44 फीसदी पर पहुंची,
- खाने-पीने की चीजों में सबसे अधिक वृद्धि

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। जुलाई में खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर 7.44 प्रतिशत हो गई, जो जून में 4.87 प्रतिशत थी। सोमवार को सरकार की ओर से इसके आंकड़े जारी किए गए। जुलाई में खुदरा महंगाई दर आरबीआई की ओर से तय महंगाई के बैंड दो से छह प्रतिशत के दायरे से बाहर निकल गई है। सब्जियों खासकर टमाटर समेत खाने-पीने की चीजों की कीमतों में तेज वृद्धि के कारण जुलाई 2023 में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 7 फीसदी के पार पहुंच गई है। सांख्यिकी मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर में भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। जुलाई महीने में खुदरा महंगाई की रीडिंग मई 2022 के बाद सबसे ज्यादा है। उस वक्त खुदरा महंगाई दर 7.79 फीसदी दर्ज की गई थी। जुलाई 2023 में उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक 11.51 फीसदी पर पहुंच गया जून में यह 4.49 फीसदी पर था। ग्रामीण मुद्रास्फीति 7.63 प्रतिशत रही जबकि शहरी मुद्रास्फीति 7.20 प्रतिशत रही।

चार महीने बाद अनियंत्रित हुई महंगाई

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति लगातार चार महीनों तक रिजर्व बैंक (आरबीआई) के टॉलरेंस बैंड 2 से 6 प्रतिशत के दायरे में बने रहने के बाद जुलाई में ऊपरी सीमा को पार कर गई। पिछले एक महीने में सब्जियों, विशेष रूप से टमाटर की कीमतों में उम्मीद से अधिक वृद्धि खुदरा महंगाई दर में वृद्धि का कारण बना। सब्जियों की महंगाई दर में लगातार तेजी दिखी और यह सालाना आधार पर 37.34 प्रतिशत पर पहुंच गया। सालाना आधार पर इसमें 0.93 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। खाद्य व पेय पदार्थों की मुद्रास्फीति जून में 4.63 प्रतिशत से बढ़कर 10.57 प्रतिशत हो गई। मोटे अनाजों की मुद्रास्फीति जून के 12.71 प्रतिशत से बढ़कर 13.04 प्रतिशत हो गई।

महंगाई को लेकर अनिश्चितता बरकरार

जुलाई में हुई मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग की जानकारी देते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा था कि महंगाई को लेकर चिंता और अनिश्चितता अभी भी बरकरार है। आरबीआई के अनुमान के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 में महंगाई 4 फीसदी के ऊपर ही रहने की संभावना है। आरबीआई ने महंगाई अनुमान को वित्त वर्ष 2023-24 में 5.1 फीसदी से बढ़ाकर 5.4 फीसदी कर दिया है।

हिमाचल में बारिश भूस्खलन से 50 की मौत

- कई लोग मलबे में दबे, 'एट होम' कार्यक्रम रद्द
- पूरे राज्य में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया

शिमला, 14 अगस्त (देशबन्धु) हिमाचल प्रदेश में गत 24 घंटों में बारिश, बादल फटने और भूस्खलन की फिर से हुई घटनाओं के कारण राज्य में 50 लोगों की मौत हो गई है तथा कई लोगों मलबे में दबे होने की आशंका है। सूत्रों के अनुसार राज्य में ऑरेंज अलर्ट की घोषणा तथा बारिश, बादल फटने और भूस्खलन की ताजा घटनाओं में बड़े पैमाने पर जानमाल के नुकसान और सम्भावित त्रासदी को देखते हुए राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने 15 अगस्त को राजभवन में होने वाला एट होम कार्यक्रम स्थगित कर दिया है। अब सिर्फ ध्वजारोहण ही होगा। राज्यपाल स्वयं भूस्खलन घटनास्थलों पर पहुंचे जहां कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि राजभवन में केवल ध्वजारोहण ही होगा। 'एट-होम' कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है।

भूस्खलन की चपेट में आया मंदिर

राज्य के शिमला, सोलन, मंडी, कांगड़ा और चम्बा जिलों में भारी बारिश, बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं ने कहर बरपा दिया है। शिमला में भूस्खलन की दो और सोलन में बादल फटने की ताजा घटनाओं में कई लोगों की मौत हो गई। शिमला के समरहिल इलाके में भूस्खलन की चपेट में आने से एक शिव मंदिर ढह गया था और अनेक लोग मलबे में दब गए। सोमवार होने के चलते सोमवार के दिन मंदिरों में श्रद्धालुओं सामान्यतः काफी भीड़ रहती है। वहीं फागली क्षेत्र में भी भूस्खलन होने से वहां अनेक घर दलदली मलबे के चपेट में आ कर बह गए तथा अनेक लोगों के इसके नीचे दबने की आशंका है। समरहिल में तीन बच्चों और एक महिला समेत छह तथा फागली में अब तक पांच शव निकाले जा चुके हैं।

सार संक्षेप

गोधरा ट्रेन अग्निकांड के तीन दोषियों को जमानत से इनकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे तीन दोषियों को सोमवार को जमानत देने से इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने 17 वर्षों से न्यायिक हिरासत में बंद तीनों दोषियों की अपील पर सुनवाई करते हुए कहा कि यह किसी एक व्यक्ति की हत्या का मामला नहीं है। यह घटना बहुत ही गंभीर है।

मोदी को हरा सकती हैं प्रियंका : संजय राउत

नई दिल्ली। शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता संजय राउत ने दावा किया है कि अगर प्रियंका गांधी आगामी लोकसभा चुनाव में वाराणसी सीट से प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी तो पक्का जीत जाएंगी। वाराणसी के लोग प्रियंका गांधी को चाहते हैं।

'कैग की एक्सप्रेसवे घोटाले रिपोर्ट पर जवाब दें मोदी'

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि नियंत्रण और महालेखा परीक्षक (कैग) ने संसद में पेश अपनी एक रिपोर्ट में एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्यों में भारी अनियमितता का खुलासा किया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस बारे में देश को जवाब देना चाहिए। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम ने सोमवार को यहां एक बयान में सरकार को घेरा।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर बोली राष्ट्रपति

हर मोर्चे पर तेजी से आगे बढ़ रहा देश

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वतंत्रता संग्राम में नारी शक्ति के योगदान का भी किया उल्लेख

> हमारा देश सभी मोर्चों पर अच्छी प्रगति कर रहा है। मुश्किल दौर में भारत की अर्थव्यवस्था न केवल समर्थ सिद्ध हुई है, बल्कि दूसरों के लिए आशा का स्रोत भी बनी है : द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि भारत विकसित राष्ट्र बनने के लिए सभी मोर्चों पर तेजी से आगे बढ़ रहा है और मुश्किल समय में जहां अधिकांश अर्थव्यवस्थाएं नाजुक दौर से गुजर रही हैं वहीं भारतीय अर्थव्यवस्था न केवल समर्थ सिद्ध हुई है बल्कि दूसरे देशों के लिए आशा का स्रोत भी बनी है। श्रीमती मुर्मु ने 77वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर सोमवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी और कहा, स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर, मैं भारत के नागरिकों के साथ एकजुट हो कर सभी ज्ञात और अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों को कृतज्ञतापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। उनके असंख्य बलिदानों से, भारत ने विश्व समुदाय में अपना स्वाभिमान-पूर्ण स्थान फिर से प्राप्त किया। स्वतंत्रता संग्राम में नारी शक्ति के योगदान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा मातंगिनी हाजरा और कनकलता बरुआ जैसी वीरांगनाओं ने भारत माता के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। मां कस्तूरबा, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के साथ कदम से कदम मिलाकर सत्याग्रह के मार्ग पर चलती रहीं। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं विकास और देश सेवा के हर क्षेत्र में बढ़-चढ़कर योगदान दे रही हैं तथा राष्ट्र का गौरव बढ़ा रही हैं।

विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को पूरा करने तथा विकसित राष्ट्र बनने के लिए देश हर मोर्चे पर तेजी से आगे बढ़ रहा है और दूसरे देशों के लिए भी उम्मीद की किरण बनकर सामने आया है। उन्होंने कहा, हमारा देश सभी मोर्चों पर अच्छी प्रगति कर रहा है। मुश्किल दौर में भारत की अर्थव्यवस्था न केवल समर्थ सिद्ध हुई है बल्कि दूसरों के लिए आशा का स्रोत भी बनी है।

अब सब्जी विक्रेता से मिले राहुल

- रामेश्वर को घर बुलाकर कराया लंच

नई दिल्ली, 14 अगस्त (देशबन्धु)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को सब्जी विक्रेता रामेश्वर से मुलाकात की और उनके साथ अपने घर पर खाना भी खाया। मुलाकात की एक तस्वीर कांग्रेस ने अपने एक्स (ट्विटर) अकाउंट से शेयर की है। इससे पहले रामेश्वर ने एक वीडियो में राहुल गांधी से मुलाकात की इच्छा जाहिर की थी। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। रामेश्वर ने राहुल गांधी से मिलकर खुशी जाहिर की है, वहीं, रामेश्वर से मिलने के बाद कांग्रेस नेता ने कहा है कि रामेश्वर जी जिंदादिल इंसान हैं, वह विपरीत परिस्थितियों में भी मुस्कुराते हैं। उनके वीडियो ने पूरे देश को झकझोर दिया था। महंगाई की वजह से रामेश्वर बेचने के लिए टमाटर नहीं खरीद पाए थे।

अडानी-हिंडनबर्ग जांच का मामला

सेबी ने सुप्रीम कोर्ट से मांगी 15 दिनों की मोहलत

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। अडानी-हिंडनबर्ग मामले की जांच कर रही भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अपनी जांच रिपोर्ट दाखिल करने के लिए सोमवार को उच्चतम न्यायालय से अतिरिक्त 15 दिनों की मोहलत मांगी है। शीर्ष अदालत ने इससे पहले सेबी को 14 अगस्त तक (अडानी-हिंडनबर्ग मामले में) अपनी जांच रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था। शीर्ष अदालत के समक्ष सेबी ने एक आवेदन देकर कर जांच की स्थिति रिपोर्ट जमा करने के लिए दो मार्च और 17 मई 2023 को जारी आदेशों के संदर्भ में उसे दिए गए 14 अगस्त की समय सीमा को 15 दिन आगे बढ़ाने का आदेश पारित करने का अनुरोध किया है।

दुष्कर्म मामले में दो को उम्रकैद

लखीमपुर खीरी, 14 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी के निघासन कांड के चारों दोषियों को सोमवार को जिला अदालत ने सजा सुनाई। कोर्ट ने दो आरोपियों को आजीवन कारावास और दो को छह-छह वर्ष की सजा दी है। विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो अधिनियम) बृजेश पांडेय ने बताया कि निघासन कांड में विशेष पॉक्सो कोर्ट में जिला न्यायाधीश राहुल सिंह ने मामले की सुनवाई की।

सितम्बर के पहले हफ्ते में लॉन्चिंग संभव

अब सूरज का अध्ययन करेगा इसरो

- अंतरिक्ष में तैनात करेगा आदित्य एल-1

चेन्नई, 14 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) चंद्रयान-3 मिशन के बाद श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केन्द्र से सूर्य के अध्ययन के लिए आदित्य-एल1 सौर अन्वेषण मिशन के प्रक्षेपण की तैयारी कर रहा है। इसरो के सूत्रों ने सोमवार को यहां बताया कि सूर्य मिशन के लिए वह अपने विश्वसनीय और शक्तिशाली ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) का उपयोग करेगा। पीएसएलवी-सी57/आदित्य-एल1 मिशन सूर्य का अध्ययन करने वाली पहली अंतरिक्ष-आधारित भारतीय वेधशाला आदित्य-एल1 के प्रक्षेपण की तैयार की जा रही है। उन्होंने बताया कि सूर्य मिशन के उपग्रह को यू आर राव सैटेलाइट सेंटर (यूआरएससी) बेंगलुरु में तैयार किया गया और यह एसडीएससी-एसएचएआर श्रीहरिकोटा में पहुंच गया है। सूत्रों ने बताया कि आदित्य-एल1 सूर्य का अध्ययन करने वाला पहला अंतरिक्ष आधारित भारतीय मिशन होगा। अंतरिक्ष यान को सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के लैग्रेंज प्वाइंट-1 (एल1) के चारों ओर एक प्रभामंडल कक्षा में रखा जाएगा जोकि पृथ्वी से करीब 15 लाख किलोमीटर दूर है। उन्होंने बताया कि एल1 बिंदु के चारों ओर प्रभामंडल कक्षा में रखे गए उपग्रह को बिना किसी अंधेरे/ग्रहण के सूर्य की लगातार निगरानी की सुविधा है।

चंद्रमा के और करीब पहुंचा चंद्रयान-3

इसरो ने आज यानी 14 अगस्त को तीसरी बार चंद्रयान-3 की ऑर्बिट घटाई। अब चंद्रयान 150 किमी × 177 किमी की ऑर्बिट में आ गया है। यानी चंद्रयान-3 चंद्रमा की ऐसी कक्षा में घूम रहा है, जिसमें उसकी चांद से सबसे कम दूरी 150 किमी और सबसे ज्यादा दूरी 177 किमी है। ऑर्बिट घटाने के लिए यान के इंजन कुछ देर चालू किए गए।

उत्तराखण्ड शासन | आज़ादी का अमृत महोत्सव | G20 भारत 2023 INDIA

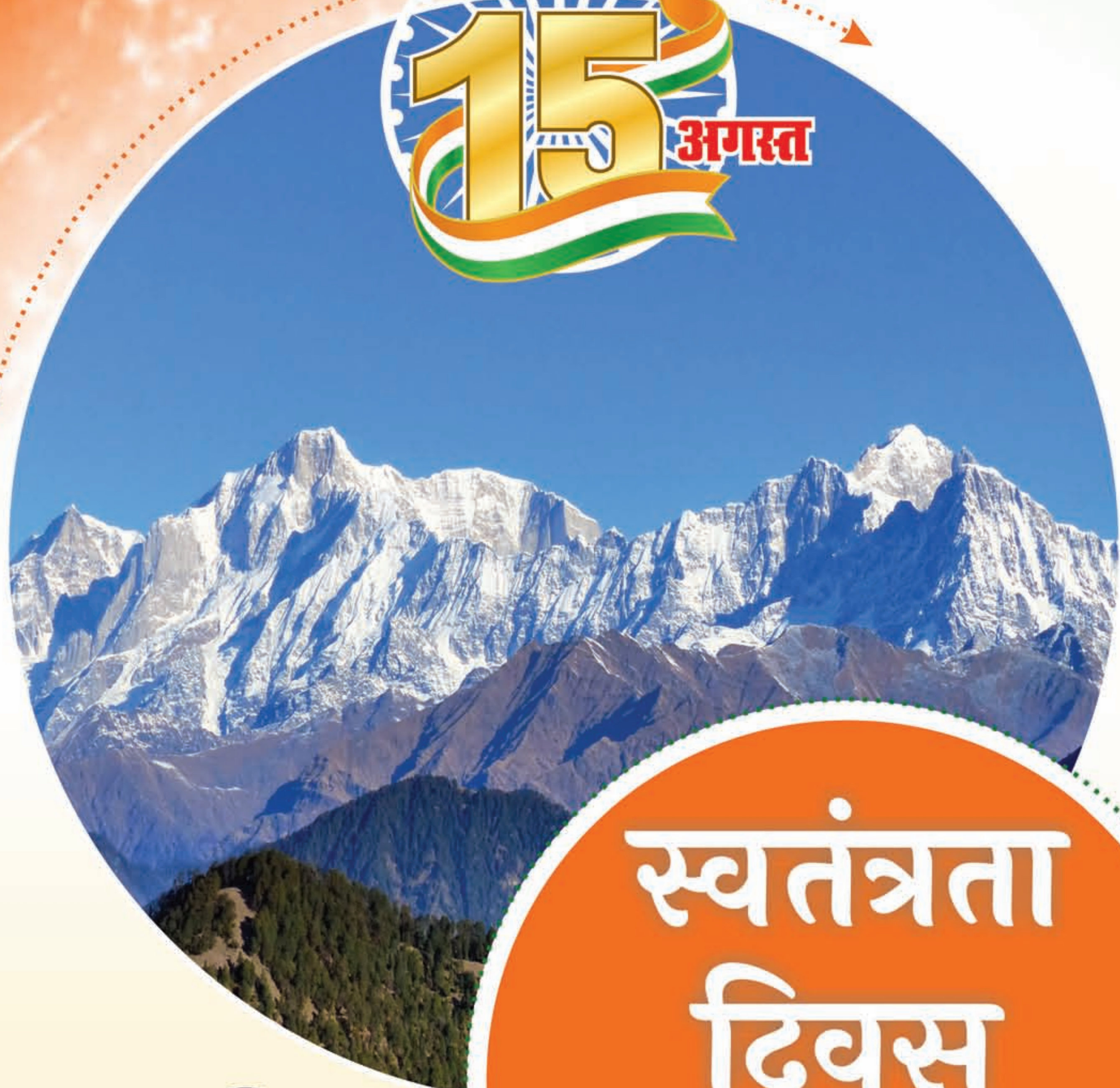

15 अगस्त

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

"हर देश की विकास यात्रा में एक समय ऐसा आता है जब देश खुद को नए सिरे से परिभाषित करता है। अगले 25 वर्षों की यात्रा भारत के इस सृजन का अमृत काल है। इस अमृत काल में हमारे संकल्पों की सिद्धि, हमें गौरवपूर्ण रूप से आज़ादी के 100 वर्ष तक ले जाएगी।"

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

आओ, मिलकर फहराएँ
हर घर तिरंगा

"मैं, भारत माता की स्वाधीनता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सभी अमर शहीदों, महान स्वतन्त्रता सेनानियों तथा स्वतन्त्र भारत की सुरक्षा एवं अखंडता में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सभी वीर सैनिकों को नमन् करता हूँ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आज देश हर्षोल्लास के साथ 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' मना रहा है। नये भारत के निर्माण में नये उत्तराखण्ड का योगदान अमूल्य है। आइये, स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर हम उत्तराखण्ड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के विकल्प रहित संकल्प को लेकर आज़ादी के अमृत महोत्सव की बेला पर हर घर तिरंगा लगाकर राष्ट्रीय पर्व को धूमधाम से मनाएँ।"

जय हिन्द, जय उत्तराखण्ड

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

नये भारत का नया उत्तराखण्ड

- केदारनाथ-बद्रीनाथ धाम में 1300 करोड़ रुपए से पुनर्निर्माण का कार्य।
- गौरीकुण्ड-केदारनाथ, गोविंदघाट-हेमकुंड साहिब रोपवे।
- मानसखण्ड मंदिर माला मिशन।
- 4000 से अधिक होम स्टे विकसित।
- 16 ईको टूरिज्म डेस्टिनेशन का विकास।
- AIIMS, ऋषिकेश का उधमसिंहनगर में सैटेलाइट सेंटर।
- 2 हजार करोड़ रुपए की लागत से टिहरी लेक डेवलेपमेंट।
- एडवेंचर टूरिज्म व योग का केन्द्र बना उत्तराखण्ड।
- चारधाम ऑल वेदर रोड।
- दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे।
- वन्देभारत एक्सप्रेस ट्रेन।
- पर्वतमाला परियोजना से प्रदेश में रोपवे कनेक्टिविटी।
- ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना।
- पर्यटन हब, एडवेंचर टूरिज्म, फिल्म शूटिंग डेस्टिनेशन के रूप में उभरता उत्तराखण्ड।
- भारतमाला परियोजना।
- एक जिला-दो उत्पाद योजना।
- निवेश अनुकूल औद्योगिक नीति।
- स्टार्टअप से युवा उद्यमिता को प्रोत्साहन।
- अटल आयुष्मान उत्तराखण्ड योजना।
- स्टेट मिलेट मिशन से राज्य में पौष्टिक अनाज को बढ़ावा।
- अन्त्योदय निःशुल्क गैस रिफिल योजना के तहत वर्ष में 3 गैस सिलैण्डर रिफिल मुफ्त।
- मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना।
- राज्य में सोलर पॉवर उत्पादन को प्रोत्साहित करने हेतु नई सौर ऊर्जा नीति लागू।
- मिशन एप्पल के तहत राज्य में सेब के 500 बगीचों की स्थापना का लक्ष्य है। मिशन एप्पल का बजट दुगुना।
- राज्य के किसानों के लिए 304 करोड़ रुपये की पॉलीहाउस योजना के तहत प्रदेशभर में लगभग 18000 पॉलीहाउस बनाने का लक्ष्य रखा गया है। किसानों को पॉलीहाउस बनाने के लिए सरकार द्वारा 70 प्रतिशत सब्सिडी।

दिल्ली नगर निगम में स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित

नई दिल्ली, 14 अगस्त (देशबन्धु)। 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिलली की महापौर, डा. शैली ओबेरॉय ने आज सिविक सेंटर स्थित निगम मुख्यालय के प्रांगण में ध्वजारोहण कर सभी नागरिकों को स्वतन्त्रता दिवस की बधाई दी। इस अवसर पर उपमहापौर आले मोहम्मद इकबाल, निगमायुक्त, ज्ञानेश भारती, वरिष्ठ अधिकारीगण एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे। इसके बाद निगम मुख्यालय के सभागार में निगम विद्यालय के बच्चों एवं शिक्षकों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए गए। स्कूल के शिक्षकों और कर्मचारियों ने पूरे देशभक्ति के जोश और उत्साह के साथ गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर ने उपस्थित सभी कार्मिकों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। डॉ. ओबेरॉय ने देशभक्ति विषय पर नृत्य प्रस्तुतियों के लिए स्कूली छात्रों की सराहना की। डा.शैली ओबेरॉय ने कहा कि आज हमें अपने पूर्व नेताओं और देश के स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान से सीख लेते हुए देश को विकास के पथ पर ले जाना है । उन्होने देश की सभी समस्याओं को एकजुट होकर लड़ने की बात पर ज़ोर दिया । उन्होंने शहीदी पार्क के संदर्भ में एमसीडी की वेस्ट टू आर्ट पहलों की सराहना की, जिसमें भारत की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत और राष्ट्रीय नायकों की मूर्तियां को दर्शाया गया है। इस अवसर पर महापौर ने निगम पदाधिकारियों और कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ भी दिलाई।

आप सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
गोपाल अग्रवाल

आप सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
ऋतुराज व डम्मी
राज सोफा एंड स्टील फर्नीचर

आप सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
विनय दुबलिश
कपड़ा व्यापारी संघ अध्यक्ष

सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सुभाष चंद्र गाबा
जिला अध्यक्ष
विहिप बजरंग दल
हस्तिनापुर मवाना मेरठ
फोन नंबर 8979 554150

सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सतीश अरोड़ा
प्रोपराइटर
ए एस आयल कंपनी
मेरठ रोड मवाना

SVS GROUP OF INSTITUTIONS
आज़ादी का अमृत महोत्सव
एस0वी0एस0 परिवार की ओर से स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।
HAPPY INDEPENDENCE DAY
FREEDOM IN MIND, FAITH IS OUR HEART, MEMORIES IN OUR SOULS. LET'S SALUTE THE NATION ON INDEPENDENCE DAY
GANG NAHAR HASTINAPUR ROAD, MAWANA, MEERUT - 250401
MOB: 7302222121, 7302222314

मुख्तियार सिंह बालूशाही वालों की ओर से
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अवजीत चौहान
सभासद वार्ड 4
नगर पालिका परिषद मवाना मेरठ

Vinod Gupta (M.D.)
Mob.: 9837047585
Manager
9368449336
9555634548
सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
INDRAPRASTHA
Hotal & Restaurant
NEAR RAFAN CHOPLA, MEERUT ROAD, MAWANADISTT. MEERUT. 250401
www.hotelipmawana.com hotelipmawana@gmail.com

मुख्तियार सिंह बालूशाही वालों की ओर से
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
मुख्तियार सिंह
आर्यन गोला

सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
शिवम गुप्ता
अंबाजी सीमेंट भीष्म
नगर मवाना मेरठ

एम.एस.एम.ई. इंडस्ट्रियल एसोसिएशन नोएडा (रजि.)
के उद्यमी पदाधिकारियों एवं समस्त उद्यमी सदस्यों की तरफ से सभी देश वासियों को
दिनाँक 15 अगस्त 2023 के दिन
भारत के 77 वें स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

माटी को नमन वीरों का वंदन
G20
77वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
"माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से 12 मार्च, 2021 से प्रारंभ होकर 75 सप्ताह तक मनाया जाने वाला 'आजादी का अमृत महोत्सव' भारतवर्ष की अस्मिता एवं गौरवशाली इतिहास की पुनर्स्थापना के महनीय उद्देश्य में पूर्णतया सफल रहा है। यह उत्सव 'हर घर तिरंगा' एवं 'मेरी माटी-मेरा देश' अभियान के माध्यम से हर देशवासी को आजादी के नायकों को नमन करने, अपनी समृद्ध संस्कृति, विरासत एवं उपलब्धियों पर गर्व करने के साथ ही भविष्य की चुनौतियों का आकलन करते हुए आजादी के 100वें वर्ष 2047 तक भारतवर्ष को विकसित राष्ट्र के रूप में विश्व में प्रतिस्थापित करने के लिए पूरे मनोयोग से कार्य करने की सच्ची प्रेरणा देता है।"
जय हिन्द!
- योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

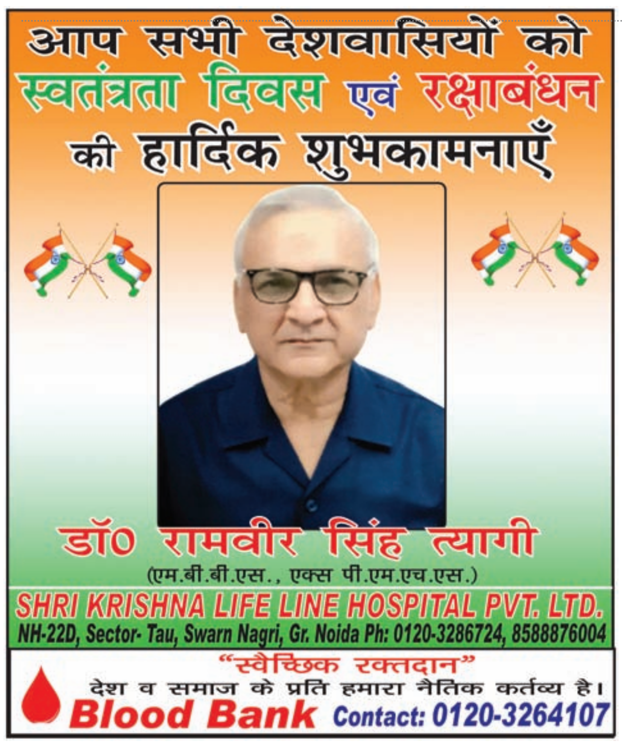

पाकिस्तान के आठवें कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने अनवर उल हक

इस्लामाबाद, 14 अगस्त (एजेंसियां)। अनवर उल हक काकर ने सोमवार को पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। वह नकदी संकट से जूझ रहे देश को चलाने और अगले आम चुनाव कराने के लिए तटस्थ राजनीतिक व्यवस्था का नेतृत्व करेंगे। पहली बार सीनेटर बने काकर बलूचिस्तान से हैं और पश्तून मूल के हैं। वह बलूचिस्तान अवामी पार्टी (बीएपी) के सदस्य हैं। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने इस्लामाबाद में एवान-ए-सदर (राष्ट्रपति भवन) में आयोजित एक समारोह में उन्हें पद की शपथ दिलाई। वह पाकिस्तान के 8वें अंतरिम प्रधानमंत्री बने। शपथ लेने से पहले काकर (52 वर्षीय) ने संसद के उच्च सदन से इस्तीफा दे दिया। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और भंग नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता राजा रियाज अहमद के बीच शनिवार को विचार-विमर्श के अंतिम दिन काकर के नाम पर सहमति बनी। सीनेट के अध्यक्ष सादिक संजरानी ने कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में काकर के शपथ ग्रहण से पहले सोमवार को सीनेट से उनका इस्तीफा स्वीकार कर किया। इससे एक दिन पहले काकर ने सीनेट और बलूचिस्तान अवामी पार्टी (बीएपी) से इस्तीफा देने की घोषणा की थी। जिओ न्यूज के मुताबिक, काकर ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया क्योंकि वह एक निष्पक्ष अंतरिम प्रधानमंत्री बनना चाहते थे। चूंकि पाकिस्तान के चुनाव आयोग (ईसीपी) के सहयोग से स्वतंत्र और निष्पक्ष आम चुनाव कराना उनकी जिम्मेदारी थी, इसलिए उन्होंने इस्तीफा देने का फैसला किया था। सीनेट सचिवालय द्वारा सोमवार को जारी एक अधिसूचना में काकर के इस्तीफे की अधिसूचना जारी की गई। अधिसूचना में कहा गया है, पाकिस्तान के सीनेट सदस्य अनवर उल हक काकर ने कार्यवाहक प्रधानमंत्री बनने पर तटस्थता के अपने सैद्धांतिक रुख के तहत सीनेट के अध्यक्ष के समक्ष व्यक्तिगत रूप से पत्र लिखकर अपनी सीट से इस्तीफा दे दिया है।

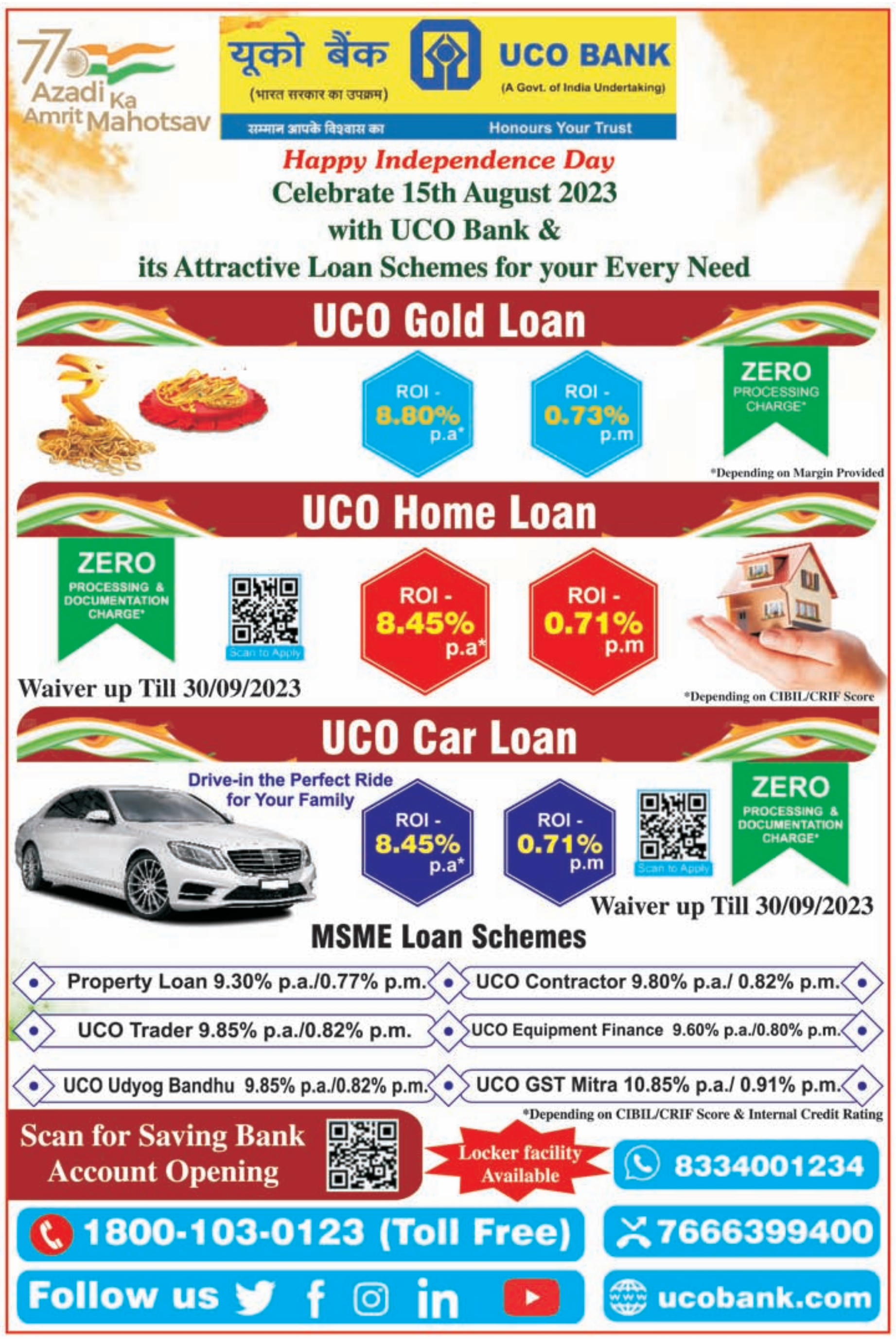

कैपिटल ज़ोन

उवाच

"आयोजित कार्यक्रम में छात्रों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, राष्ट्रभक्ति गीत, नाटक, लोक नृत्य एवं कवि सम्मेलन के अंतर्गत कविताएं प्रस्तुत की गई। शिक्षकों द्वारा ज्ञानवर्धक प्रस्तुति की गई व स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया गया एवं देश के लिए कार्य करने वाले देशभक्तों को डीएम मनीष कुमार वर्मा के द्वारा सम्मानित भी किया गया। **ऐश्वर्या लक्ष्मी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी**

ग्रेनो प्राधिकरण 15 मंजिला टॉवर किराए पर देकर बढ़ाएगा आमदनी

ग्रेटर नोएडा, 14 अगस्त (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण अपने 17 मंजिला टॉवर को किराये पर देगा। प्राधिकरण लाइसेंस शुल्क के रूप में किराये पर देगा। इसे पांच साल के लिए दिया जाएगा। दोबारा फिर इसे पांच साल के लिए बढ़ाया जाता है। नॉलेज पार्क-4 में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण कार्यालय टावर हैं। प्राधिकरण ने कार्यालय उपयोग के लिए एक 17 मंजिले टॉवर को किराये पर देने का निर्णय लिया है। टावर की प्रत्येक मंजिल पर 10,846 वर्ग फुट का किराया योग्य क्षेत्र है। परिसर का उपयोग केवल कार्यालय उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। प्राधिकरण के लिए असुविधा पैदा करने वाली कोई भी गतिविधि प्रतिबंधित है। चयनित एजेंसी को समझौते पर हस्ताक्षर करने के 15 दिनों के भीतर पहले वर्ष का किराया अग्रिम भुगतान करना होगा। कंपनियों को समझौते की समाप्ति के 30 दिनों के भीतर परिसर खाली करना होगा। इसके लिए आवेदन जमा करने की आखिरी तारीख 5 सितम्बर है। प्राधिकरण का कहना है कि प्री-बिड मीटिंग 28 अगस्त को होगी।

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

ग्रेटर नोएडा, 14 अगस्त (देशबन्धु)। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर हर घर तिरंगा एवं मेरी माटी मेरा देश अभियान को लेकर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम विभिन्न विभागों के द्वारा आयोजित किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में शिक्षा विभाग के माध्यम से कंपोजिट विद्यालय छलेरा में आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर हर घर तिरंगा एवं मेरी माटी मेरा देश अभियान को लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कंपोजिट विद्यालय छलेरा में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का जिलाधिकारी कुमार वर्मा ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर विधिवत रूप से शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी के साथ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ऐश्वर्या लक्ष्मी एवं खंड शिक्षा अधिकारी यशपाल सिंह उपस्थित रहे।

■ **जिलाधिकारी ने तिरंगा यात्रा को दिखायी झंडी, बच्चे हुए शामिल**

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ऐश्वर्या लक्ष्मी ने बताया कि आयोजित कार्यक्रम में छात्रों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, राष्ट्रभक्ति गीत, नाटक, लोक नृत्य एवं कवि सम्मेलन के अंतर्गत कविताएं प्रस्तुत की गई। शिक्षकों द्वारा ज्ञानवर्धक प्रस्तुति की गई व स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया गया एवं देश के लिए कार्य करने वाले देशभक्तों को डीएम मनीष कुमार वर्मा के द्वारा सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए बच्चों को शिक्षा के उद्देश्य एवं शिक्षा के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराई। साथ ही इस अवसर पर डीएम द्वारा छात्रों को दिए जाने वाले मध्यान्ह भोजन ग्रहण कर भोजन की गुणवत्ता की भी जांच की गई।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम में जादूगर द्वारा बच्चों को विभिन्न प्रकार के जादू दिखा कर सबका मन मोह लिया। स्कूली बच्चे जादू देखकर अति उत्साहित दिखे और विज्ञान के चमत्कार के प्रति आकर्षित हुए। हर घर तिरंगा कार्यक्रम को लेकर विभिन्न विभागों के द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में सोमवार को जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कलेक्ट्रेट परिसर से स्कूली छात्र छात्राओं की तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. धर्मवीर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के द्वारा जिस तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, उसमें शहीद भगत सिंह इंटर कॉलेज एवं के.सी.एस. इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं के द्वारा प्रतिभा किया गया।

किसानों ने प्रशासन को शौर भूमि पर कब्जा सौंपा

जेवर, 14 अगस्त (देशबन्धु)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से प्रभावित किसानों ने सोमवार को रंहेरा गांव में जिला प्रशासन को शौर भूमि पर कब्जा दे दिया। जिलाधिकारी ने किसानों को शौर भूमि का मुआवजा शीघ्र वितरित किए जाने का आश्वासन दिया है। किसानों द्वारा कब्जा दिए जाने से एयरपोर्ट की रुकी हुई चारदीवारी के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। ज्ञात हो कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण के लिए प्रशासन द्वारा पहले चरण में 1334 हे0 भूमि का अधिग्रहण किया गया था। जिसमें करीब 12 हे0 शौर भूमि का मुआवजा किसानों को वितरित नहीं किया गया था जिसकी वजह से किसानों ने प्रशासन को भूमि पर कब्जा नहीं दिया तथा एयरपोर्ट की चारदीवारी के काम को रुकवा दिया था। का काम पूरा नहीं हो सका था। विकासकर्ता कंपनी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. ने भूमि पर जल्द कब्जा दिलाने की मांग की थी। किसान संगठनो के सहयोग से प्रभावित किसानों ने मामले को जोरशोर से उठाया था तथा मुआवजा वितरित किये बगैर कब्जा देने से साफइंकार कर दिया था। शासन ने शौर भूमि का मुआवजा वितरण की घोषणा कर किसानों को राजी कर लिया था। सोमवार को किसानों ने जिलाधिकारी को शौर भूमि का कब्जा दे दिया। इस मौके पर किसानों ने जिलाधिकारी का शाल उढ़ाकर स्वागत किया। जिलाधिकारी ने किसानों से वार्ता कर समस्याओं के निस्तारण का आश्वासन दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि एयरपोर्ट के बनने से क्षेत्र के लोगों को काफी फायदा होगा। विकास में भागीदार बनने के साथ उनके लिए रोजगार के काफी अवसर पैदा होंगे। इस मौके पर उपजिलाधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह, एसीपी रुद्र कुमार सिंह व किसान नेता पवन खटाना तथा सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

सार संक्षेप

यीडा के आवासीय भूखंड योजना में 3168 पंजीकरण

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की आवासीय भूखंड योजना में अब तक 37745 लोगों ने पंजीकरण कराया है। 3168 आवेदकों ने पंजीकरण शुल्क जमा कर दिया है। पंजीकरण शुल्क के रूप में प्लॉट के कुल मूल्य का 10 प्रतिशत पैसा जमा करना होता है। आवासीय भूखंड योजना में फार्म जमा करने की अंतिम तिथि पहली सितम्बर है। योजना में 120 मीटर, 162, 200, 300, 500, 1000 और 2000 वर्ग मीटर तक के भूखंड हैं।

संयुक्त किसान मजदूर संगठन अधिवक्ता सभा के अध्यक्ष बने नवीन चौधरी

ग्रेटर नोएडा। किसान, मजदूर व वंचित वर्ग के लोगों की आवाज को जोरदार तरीके से उठाने के लिए संयुक्त किसान मजदूर संगठन ने संगठन को मजबूत करने की कवायद शुरू कर दी है। मुख्य संगठन के साथ विभिन्न प्रकोष्ठों को भी मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। इसी कड़ी में वरिष्ठ एडवोकेट नवीन चौधरी को अधिवक्ता सभा का पश्चिमी उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष बनाया गया है। नई जिम्मेदारी मिलने पर कार्यकर्ताओं ने नवीन चौधरी का फूल पहनाकर स्वागत किया। एडवोकेट नवीन चौधरी का कहना है कि संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास किया जाएगा। ज्यादा से ज्यादा अधिवक्ताओं को संगठन से जोड़ मजबूती प्रदान करने का काम किया जाएगा। साथ ही संगठन के माध्यम से अधिवक्ताओं से जुड़ी समस्याओं को भी उठाया जाएगा। इस मौके पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम पंडित, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिनेश अवाना, शाहबुद्दीन, सुमन तंवर, जितेंद्र चौधरी आदि उपस्थित रहे।

पार्षदों के साथ नगर आयुक्त ने की बैठक

गाजियाबाद, 14 अगस्त (देशबन्धु)। नगर आयुक्त डॉ. नितिन गौड़ ने कैंप कार्यालय पर वार्ड संख्या 81 से लेकर 90 तक के पार्षदों से बैठक की। कार्यकारिणी के 3 सदस्य भी उपस्थित रहे। जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं को नगर आयुक्त के समक्ष रखा गया संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही कार्रवाई के निर्देश दिए साथ ही रिपोर्ट भी मांगी गई।

गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत होने वाले निर्माण कार्यों को लेकर विशेष रूप से पार्षदों द्वारा चर्चा की गई जिसमें निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखने के लिए कहा गया। कार्यकारिणी सदस्य आदिल मलिक व अन्य उपस्थित पार्षदों द्वारा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर विशेष ध्यान रखने के लिए विषय रखा गया। जिस पर निर्माण विभाग के संबंधित अधिकारियों को विशेष ध्यान रखने के आदेश दिए गए। वाहनों की मरम्मत को लेकर नगर आयुक्त द्वारा नगर स्वास्थ्य अधिकारी को

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर विशेष रुप से की चर्चा

संबंधित कंपनियों को नोटिस जारी करने के आदेश दिए गए साथ ही 3 दिन के अंदर आवश्यक वाहनों की मरम्मत कराने के निर्देश दिए। वार्ड संख्या 86 से मदन राय पार्षद, वार्ड संख्या 87 से अनुज त्यागी पार्षद, वार्ड संख्या 90 से आदिल मलिक पार्षद, वार्ड संख्या 88 से नीरज गोयल पार्षद, वार्ड संख्या 84 से प्रवीण कुमार पार्षद, वार्ड संख्या 81 से धीरज अग्रवाल पार्षद व अन्य संबंधित जनप्रतिनिधि उपस्थित हुए जिनके द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों के विकास कार्यों को लेकर चर्चा की गई।

छात्रों की तिरंगा यात्रा को विधयाक ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जेवर, 14 अगस्त (देशबन्धु)। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के छात्रों द्वारा सोमवार की तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस दौरान छात्रों द्वारा देशभक्ति के नारे लगाए गए।

प्रज्ञान पब्लिक स्कूल जेवर की प्रधानाचार्या दीप्ति शर्मा की अगुवाई में छात्र- छात्राओं द्वारा कस्बे के मुख्य मार्गों व मुख्य बाजार के हर घर तिरंगा यात्रा निकाली गई। हर घर तिरंगा यात्रा को माननीय जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने विद्यालय से रवाना किया तथा एसीपी रूद्र प्रताप सिंह मय पुलिसबल के तिरंगा यात्रा में शामिल रहे। छात्र-छात्राएं देश के प्रतीक, तिरंगे के रंगों में लिपटकर सड़कों पर निकले। प्रेम और समर्पण को दर्शाती यात्रा में प्रतीकात्मक कार्यक्रम के माध्यम से छात्र-छात्राओं ने अपनी राष्ट्रीय भावनाओं को व्यक्त किया। इस मौके पर गजेंद्र सिंह यादव, अशोक कुमार, सुरेश छोंकर, नौशाद सैफी, मीनाक्षी कुमारी, संजीव शर्मा, सुनील कुमार, राधेश्याम, राजकुमार, विजय कुमार, राजेन्द्र निगम आदि मौजूद रहे।

नगरपंचायत कर्मियों व सभासदों ने नगरपंचायत अध्यक्ष नारायण महेश्वरी व अधिशासी अधिकारी सतीश कुमार के नेतृत्व में हर घर तिरंगा यात्रा का आयोजन किया। नगर पंचायत कार्यालय से शुरू होकर यात्रा कस्बे के मुख्य मार्गों से होते हुए मुख्य चौराहा, मुख्य बाजार स्थित आजाद चौक पहुंची। जहां पर चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। जहांगीरपुर स्थित ब्रह्मा देवी अमीचंद कन्या इंटर कॉलेज की छात्राओं द्वारा सोमवार को कस्बे में तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा का शुभारम्भ पुलिस चौकी प्रभारी राधेश सक्सेना व पब्लिक इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य कुलभूषण शर्मा ने किया। इस मौके पर भाजपा के आईटी सेल जिला प्रभारी चंदमणि भारद्वाज, सुमत प्रकाश गौड़, मनोज सिंह, दानवीर सिंह, योगेश, भूषण, दिव्या, कमलेश देवी, संतोष शर्मा, छाया आदि मौजूद रहे।

घर खरीदारों ने भाजपा प्रवक्ता गोपाल कृष्ण पर जताई आखिरी उम्मीद

ग्रेटर नोएडा, 14 अगस्त (देशबन्धु)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने घर खरीदारों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना, उन्होंने कहा कि मैं नोएडा और ग्रेटर नोएडा के घर खरीदारों के साथ खड़ा हूं। इस दौरान घर खरीदारों ने कहा कि मौजूदा जन प्रतिनिधियों को हमारी बात और हमारी हालत समझ नहीं आ रही लगता है। पारमिता बनर्जी इकोविलेज-2 की वर्षों से पीड़िता बोली आपकी होम बायर्स के मुद्दों की समझ और आपकी हमारे लिए संवेदनाएं हमें विश्वास दिलाती है कि आप ही हमारी समस्याओं का सही हल निकाल सकते हो, हमको आपसे ही उम्मीद है। 10-12 साल से परेशान होमबायर्स ने एक एक करके अपनी बात गोपाल कृष्ण अग्रवाल के सामने रखी और उनसे निवेदन किया कि आप हमारी इन समस्याओं का हल करवाओ। वंदना और कई लोगों ने तो यहां तक बोला की बस इन बैंक वालों से छुटकारा दिला दो। इकोटेक विलेज-2 के होमबायर्स ने दिखाया अपना समर्थन और लगाए गोपाल कृष्ण अग्रवाल जिंदाबाद के नारे, बोला की हम आपके साथ हैं और इस बार आपको ही यहां से अपना सांसद बनाना चाहते हैं। गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने होमबायर्स को दिया आश्वासन, बोला मैं आपकी पूरी बात और दर्द समझता हूं में आपके साथ खड़ा हूं और समाधान के लिए आपके साथ संघर्ष करने के लिए भी तैयार हूं।

इसका समाधान राजनीतिक इच्छाशक्ति से ही होगा। गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने बताया कि व और उनकी टीम समाधान पर श्वेत पत्र के माध्यम से काम कर रही हैं और इसके बनते ही वह योगी और मोदी दोनों के पास समाधान ले कर जाएंगे। गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने कहा कि आपकी बात मजबूती से एनसीएलटी के आगे रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि मोदी और योगी दोनों के संज्ञान में होमबायर्स की समस्या बहुत अच्छे से हैं और वह भी इस परेशानी को दूर करना चाहते हैं आशा करतें है कि 2024 चुनाव से पहले घर खरीदारों को कुछ खुश खबरी अवश्य मिलेगी। सभी बहनों ने गोपाल जी को रक्षा सूत्र बांध कर अपना विश्वास दिखाया एवं समर्थन दिया।

शालीमार गार्डन में चला जीडीए का बुलडोजर

गाजियाबाद, 14 अगस्त (देशबन्धु)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए)का बुलडोजर सोमवार को जोन 8 के शालीमार गार्डन में में चला और वहां पर 5000 वर्ग मीटर में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया गया। जोन 8 के प्रभारी प्रशांत गौतम ने बताया कि सहायक अभियंता पीके ए के सिंह के नेतृत्व में परिवर्तन जून 8 की टीम शालीमार गार्डन मैन में पहुंचे और वहां पर देवराज प्रधान और हरेंद्र कसाना द्वारा विकसित की जा रही 5000 वर्ग मीटर में अवैध कॉलोनी ध्वस्त कर दिया। उन्होंने बताया कि इस दौरान कुछ लोगों ने विरोध किया जिन्हें वहां से खदेड़ दिया। सहायक अभियंता रमाकांत तिवारी अनिल सिंह समेत जीडीए का स्टाफ इस अवसर पर मौजूद रहा।

देश के विभाजन की विभीषिका पर भाजपा ने निकाला मौन जूलूस

ग्रेटर नोएडा, 14 अगस्त (देशबन्धु)। देश विभाजन विभिषिका स्मृति दिवस को भारतीय जनता पार्टी कार्यालय तिलपता गोलचक्कर से पैरामाउंट सोसाइटी तक मौन जुलूस और पार्टी कार्यालय पर भाजपा की ओर से एक प्रदर्शनी का आयोजन किया, जिसमें विभाजन की त्रासदी के हालात को बयां तस्वीरों का प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदर्शन किया गया। साथ ही पार्टी कार्यालय पर ही जिले स्तर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता एमएलसी विधायक श्रीचंद शर्मा रहे। गोष्ठी की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विजय भाटी ने की। संगोष्ठी का संचालन जिला महामंत्री धर्मेन्द्र कोरी उपाध्यक्ष सत्येंद्र नागर ने किया विभाजन विभीषिका के मुख्य वक्ता श्रीचंद शर्मा ने कहा कि विभाजन की विभीषिका के देश और समाज पर दुष्प्रभाव को बताया जाना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि देश के बंटवारे के समय लाखों परिवारों को विस्थापित और अपनी जान तक गवानी पड़ी थी, ऐसे विस्थापित परिवारों के दर्द को समाज के सामने लाने की जरूरत है। इसके अलावा देश के विभाजन के समय की विभीषिका के दर्द को वर्तमान पीढ़ी को बताने की जरूरत भी है। इस लिए 14 अगस्त को विभाजन विभाषिका स्मृति दिवस के तोर पर पिछले गतवर्ष से आयोजन के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विशेष आभार करते है। इस अवसर पर मुख्य रूप से दादरी नगरपालिका अध्यक्ष गीता पंडित, जिला महामंत्री धर्मेन्द्र कोरी, मनोज गर्ग, जिला उपाध्यक्ष सुनील भाटी, पवन नागर, जिला मीडिया प्रभारी पंडित कर्मवीर आर्य, चंद्रमणि भारद्वाज, जिला मंत्री सत्यपाल शर्मा, गुरुदेव भाटी, वरुण धीमान, राज नागर आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
भूखण्ड संख्या-01, सैक्टर नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नोएडा सिटी-201310 जिला-गौतमबुद्ध नगर।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम/सैक्टर-घोड़ी बछेड़ा की प्रस्तावित आबादी में आवंटित आवंटन संख्या-जी.एच.डी.01288, भूखण्ड संख्या-87, क्षेत्रफल-680 वर्ग मीटर श्रीमती फूलवती पत्नी श्री ओम प्रकाश, निवासी-ग्राम-घोडी बछेडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में आवंटित किया गया था। आवंटी श्रीमती फूलवती पत्नी श्री ओम प्रकाश की मृत्यु के उपरांत इनके वारिसान श्री राधेश्याम सिंह पुत्र स्व० श्री ओम प्रकाश, सर्वश्रीरतनपला सिंह, राम किशन, हरिपाल पुत्रगण स्व० श्री ओम प्रकाश, श्रीमती रजनेश देवी (विवाहित) श्रीमती सविता (विवाहित) पुत्रीगण स्व0 श्री ओम प्रकाश, निवासी-ग्राम-घोडी बछेडा, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 में से श्री राधेश्याम सिंह पुत्र स्व० श्री ओम प्रकाश, निवासी-ग्राम-घोड़ी बछेडा, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में नामांतरण करने हेतु नामांतरण प्रपत्र एवं शपथ-पत्र प्रस्तुत किये गये है। अतः इस नामांतरण के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में इनके श्री राधेश्याम सिंह पुत्र स्व0 श्री ओम प्रकाश, निवासी-ग्राम-घोडी बछेडा, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में सह आवंटी के रूप में दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (कृषक आबादी)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

बच्चों ने जोश व उल्लास के साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस, आयोजित हुए कार्यक्रम

ग्रेटर नोएडा, 14 अगस्त (देशबन्धु)। रेयान इंटरनेशनल स्कूल में भारत का 77वां स्वतंत्रता दिवस बड़े जोश और उत्साह के साथ मनाया गया। उन्होंने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया और अपने सर्वोत्तम कौशल और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस से संबंधित पोस्टर बनाए और अपने देश के प्रति अपना सम्मान दिखाने और देशभक्ति की भावना प्रकट करने के लिए विभिन्न लेख और नारे भी लिखे। आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में 'हर घर तिरंगा' के एक भाग के रूप में भारतीय तिरंगे के साथ अपनी तस्वीरें भी क्लिक कीं।

मोंटेसरी के बच्चों ने अद्भुत गतिविधियां करके दिखाया कि उन्हें अपनी आजादी का जश्न मनाने पर कितना गर्व है, मोंटेसरी 1 ने भारतीय ध्वज चिपकाया और मोंटेसरी 2 बच्चों ने पेपर शिल्प के साथ एक तिरंगे रॉकेट बनाया और उन्हें चंद्रयान 3 और मोंटेसरी 3 का समर्थन करने के लिए त्रि रंग के फूल चिपकाए।

मोंटेसरी बच्चों ने 'तिरंगा' थीम पर 'सलाद सजावट' की एक सुंदर गतिविधि भी आयोजित की। कक्षा 1 के विद्यार्थियों ने 'सब्जी मुद्रण गतिविधि' का संचालन किया। इस गतिविधि का विषय तिरंगा था। उन्होंने आलू और भिंडी जैसी कटी हुई सब्जियों को गाढ़े पानी के रंग में डुबोया और उन्हें सफेद रूमाल पर मुद्रित किया। कक्षा-तीन व पांचवीं के छात्रों ने स्वतंत्रता दिवस रोल प्ले प्रतियोगिता और हमारे राष्ट्रीय प्रतीकों की कोलाज बनाने की गतिविधि में भाग लिया।

छात्रों ने रोल-प्ले गतिविधि के माध्यम से स्वतंत्रता सेनानियों को उनके अनगिनत बलिदानों के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी गतिविधियों ने छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने और राष्ट्र के प्रति अपना प्यार व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान किया। गतिविधियां करते समय विद्यार्थियों का मन देशभक्ति के जोश और उत्साह से भर गया।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण/नार्दर्न रेलवे, चौथी मंजिल, डीआरएम कार्यालय, नई दिल्ली-110001 ने अधोविख्यातकाम के लिए एक पैकेट प्रणाली के तहत ई-निविदा आमंत्रित करता है:-

1.	कार्य और स्थान का नाम	दिल्ली डिवीजन में विभिन्न आरओबी/आरयूबी/एलएचएस के गर्डर के लॉन्च के संबंध में 25 केवी एसी सिंगल फेज ओएचई की डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण, कमीशनिंग, संशोधन, स्लीविंग और शिफ्टिंग।
2.	कार्य की पूर्णता अवधि	12 महीने
3.	लगभग काम की लागत	रू. 48,62,168.79
4.	बयाना धन राशि (ऑनलाइन जमा करने के लिए)	रू. 97300
5.	ई- निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	दिनांक 14.08.2023 को आई.आर.ई.पी.एस. वेब साइट **www.ireps.gov.in** को 14.30 बजे निविदाएं अपलोड की है। निविदादाता ई-निविदा में भाग ले सकते हैं, यह निविदा 05.09.2023 को 11.30 बजे खोली जाएगी
6.	निविदा के बारे में विस्तृत सूचना और दस्तावेज	विस्तृत ई-निविदा सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट **www.nr.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा दस्तावेज आईआरईपीएस वेब साइट पर प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए उपलब्ध होगा **www.ireps.gov.in** 22.08.2023 से 05.09.2023 उपर्युक्त निविदाओं के संबंध में अन्य सभी निबंधन और शर्तें निविदा दस्तावेज में दी गई है। विस्तृत निविदा सूचना भी उपरोक्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है।

संख्या: 335-Dy.CEE/C/NDLS/2023-24 दिनांक: 14.08.2023 2522/23

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उतर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

{ संपादकीय }

नई दिल्ली, मंगलवार 15 अगस्त 2023

संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

अमृतकाल में विष-बेलों का सिंचन

आजादी की वर्षगांठ को देश के सबसे बड़े जश्न के साथ मनाया जाता है पर यही वह अवसर भी होता है जब हर स्वतंत्र चेता नागरिक को उन सभी पहलुओं पर गौर फरमाना चाहिये जो देश और उसकी स्वतंत्रता के लिये खतरा हों। अब वैसी अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां नहीं रहीं जिनसे किसी देश के बाहरी शक्तियों के हाथों फिर से गुलाम होने का खतरा हो। जैसा कि पहले होता था। दो महायुद्धों के बाद तो यह और भी कठिन हो गया है- कुछ अपवादों को छोड़कर। अब असली खतरा अपनी ही सरकार द्वारा नागरिक आजादी के छिन जाने का है। इसे बचाये रखने के लिये स्वयं अवाम को सतर्क रहने की आवश्यकता है और ज़रूरी होने पर प्रतिरोध करने की उसकी तैयारी भी होनी चाहिये। वैसे तो यह बात सभी स्वतंत्र देशों के लिये लागू होती है लेकिन भारत के वर्तमान परिदृश्य के सन्दर्भ में और भी ज्यादा प्रासंगिक हो गई है क्योंकि जिस रास्ते चलकर देश ने आजादी हासिल की थी, अब नये निज़ाम को उस मार्ग पर चलना न सिर्फ नागवार गुजर रहा है वरन स्वतंत्रता की नयी परिभाषा भी गढ़ी जा रही है। यही असली खतरा है।

झूठ और सत्ता को पाने के लिये रचे गये षड्यंत्रों से प्रारम्भ हुए नये राजनैतिक विमर्श ने आजादी की लड़ाई के नायकों के प्रति अवहेलना, तिरस्कार और घृणा के जरिये ऐसा विष वमन किया है कि स्वतंत्रता का गौरव ही खण्डित हो गया है। उग्र राष्ट्रवाद ने देश का पिछला लगभग एक बहुमूल्य दशक इतिहास को कोसने तथा उसमें परिवर्तन की हास्यास्पद हसरतों में गंवा दिया। बीती अवधि की काल कोठरी में एक पूरी पीढ़ी को बन्द कर उसे निरे स्वप्न दिखलाये जा रहे हैं। बस... नई गुलामी के खतरे यहीं से प्रारम्भ होते हैं। असली नायकों को पीछे ठेलकर छद्म नायकों की अगली कतारें तो तैयार कर ही दी गई, उनमें भरोसा करने वाली पीढ़ी भी गढ़ी गई है जिसका विश्वास है कि देश वाकई में अब तक स्वतंत्र नहीं हुआ है बल्कि उसे अंग्रेजों ने 99 वर्षों की लीज़ पर दिया हुआ है। यह वह पीढ़ी है जो पूरी गम्भीरता से मानती है कि सारा विकास 2014 के बाद ही हुआ है। इन हैरत भरी जानकारियों पर लोग विश्वास करें, इसके लिये झूठ फैलाने वालों को देशभक्त साबित करते हेतु रचा गया राष्ट्रवाद पूंजीवाद से पोषित है। अब वह जनता से अपनी कीमत वसूल रहा है।

बड़ी संख्या में लोगों की आंखों पर बन्धी राष्ट्रवाद की पट्टी पेट्रोल, डीज़ल, रसोई गैस से लेकर टमाटरों के बढ़ते दामों को यह सोचकर नज़रंदाज़ करती है कि उनके पैसों से देश को विश्वगुरु बनने में मदद मिलेगी। पाकिस्तान व अफगानिस्तान को नेस्तनाबूद करने की उत्कंठा जगाकर केन्द्रीय सत्ता ने लोगों की जेब से पैसा उगाहने की कला में महारत हासिल कर ली है। देश के भीतर अल्पसंख्यकों, आंदोलनकारियों, संगठित समूहों, बदलाव में भरोसा रखने वाले युवाओं व छात्रों समेत सरकार से सवाल करने वाले उसकी कमियां गिनाने वाले पत्रकारों, लेखकों, बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं को देश का दुश्मन बतलाया जाता है। सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी ने सरकार विरोधियों को देशद्रोही, हिन्दुविरोधी, पाकपरस्त जैसे तमगे देकर जनचेतना का कुन्द कर दिया है। सरकार पर लोग आंखें मूंदकर भरोसा करें, इसके लिये उन्हें विवेकहीन और अतार्किक बनाना ज़रूरी है, अत: देश में वैज्ञानिक चेतना समाप्त करने की प्रक्रिया को भी तेज किया गया। इसके तहत कोरोना जैसी महामारी का उन्मूलन थाली-ताली पीटकर और 80 करोड़ लोगों को 5 किलो मुफ्त राशन देकर देश को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का विलक्षण अर्थशास्त्र लिखा गया है।

एक ओर तो लोगों की भावनाओं को बेवजह उत्तेजना दी गई, तो वहीं दूसरी तरफ संसद, कार्यपालिका, न्यायपालिका, मीडिया, सिविल सोसायटियों आदि को मसल कर रख दिया गया है। सत्ता ने सुनिश्चित कर दिया है कि उसका विरोध करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता हों या अधिकारी- जेल की सींखचों के पीछे होंगे और विपक्षी दलों के मुखर सांसदों को चुन-चुनकर संसद से बेदखल किया जाएगा। नागरिकों को ताकत प्रदान करने वाले नियम-कानून या तो कमजोर किये जा रहे हैं अथवा उनका इस्तेमाल चेहरे व राजनैतिक दल देखकर हो रहा है। वैसे तो मौजूदा सरकार अपनी स्थापना काल से ही नागरिकों को कमजोर करने और उन पर राज्य का शिकंजा कसने के अनेकानेक उपाय करती आई है परन्तु इस एक साल का विशेष उल्लेख किया जाना चाहिये। किसी भी क्षेत्र या व्यक्ति से प्रतिरोध की कोई भी आवाज के न आने से आश्वस्त हो चुके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा सरकार को बड़ी चुनौती राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा (सितम्बर, 2023 में कन्याकुमारी से कश्मीर तक- 4000 किलोमीटर) ने दी है। उनका यह पैदल सफर देश में बढ़ रहे नफरत के खिलाफ प्रेम का संदेश लेकर था। चूंकि भाजपा व उसकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पूरी विचार प्रणाली परस्पर घृणा पर आधारित है, उसका खौफ खाना लाजिमी था। यात्रा के दौरान राहुल ने जिस प्रकार से देश की समस्याओं के साथ सरकार के भ्रष्टाचार और विशेषकर मोदी व कारोबारी गौतम अदानी के साथ सम्बन्धों की बात उठाई, उन्हें संसद से एक अवमानना मामले को लेकर निकाल दिया गया। सदस्यता बहाली के बाद भी राहुल का स्वर मंद नहीं हुआ है और आज उनके साथ 26 दलों का गठबन्धन लामबन्द है। इससे हताश मोदी मणिपुर, मेवात, ट्रेन में गोलीबारी जैसे मामलों को लेकर भी कठघरे में हैं। मोदी की बौखलाहट का खामियाज़ा जनता को भुगतना पड़ सकता है- उसके अधिकारों में कटौती के रूप में।

अपनी सत्ता बचाये रखने के लिये भाजपा ने सारे साल नये सिरे से विष-बेलों को पानी सींचा है, जिसे अमृतकाल कहा जाता है। इस वर्ष के जश्न-ए-आज़ादी के मौके पर इन विष -बेलों को समूल नष्ट करना उन सबका उद्देश्य हो जिनका विश्वास स्वतंत्रता, समानता, धर्मनिरपेक्षता एवं बन्धुत्व जैसे लोकतांत्रिक मूल्यों में है।

अविश्वास प्रस्ताव: मोदीशाही जीतकर भी हारी!

जैसा कि आसानी से अनुमान लगाया जा सकता था, मोदी सरकार अविश्वास प्रस्ताव की परीक्षा में न सिर्फ बच निकली बल्कि उसके फौरन बाद उसके सुप्रीमो नरेंद्र मोदी, देश भर में इसका ढोल पीटने में जुट गए हैं कि उनकी जबर्दस्त जीत हुई है। अविश्वास प्रस्ताव पर फैसले के अगले ही दिन, बंगाल में भाजपा के पंचायती राज परिषद के जमावड़े में अपने संबोधन की शुरूआत ही मोदी ने संसद में विपक्ष के ''अविश्वास को भी हराने'' और नेगेटिविटी फैलाने के सिलसिले का ''करारा जवाब देने'' की, शेखी मारने के साथ की। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी इतने भर से संतुष्ट नहीं हो सकते थे। उन्होंने इस पर गाल बजाना भी जरूरी समझा कि कैसे विपक्षी बहस के ''बीच में से ही भाग गए, सदन छोड़कर चले गए'' और यह भी कि ''वो अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग से डर गए थे। वो लोग नहीं चाहते थे कि वोटिंग हो। क्योंकि वोटिंग होती तो घमंडिया गठबंधन की पोल खुल जाती...'' आदि, आदि। और प्रधानमंत्री मोदी आने वाले दिनों में बार-बार अपनी इस ''जीत'' का डंका खुद ही नहीं पीटें, तो ही अचरज की बात होगी।

इसके साथ इतना और जोड़ लें कि अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के अपने करीब सवा दो घंटा लंबे जवाब में, प्रधानमंत्री मोदी ने भले ही ऐसे प्रस्ताव पर बहस में प्रधानमंत्री के सबसे लंबे भाषण का रिकार्ड बनाने के साथ ही, सबसे अनर्गल भाषण का भी रिकार्ड बनाया हो, उस भाषण में ऐसा बहुत कुछ था जिसे विपक्ष के सवालों का न सही, पर विपक्षी पार्टियों के लिए जरूर ''करारा जवाब'' के तौर पर भी पेश किया जा सकता है। प्रधानमंत्री अपने भाषण में हर बॉल पर 'चौका-छक्का जड़ने' के लिए खुद ही अपनी पीठ भी ठोक चुके थे। इसी सब के सहारे नरेंद्र मोदी की ''सदा अविजित'' छवि पर और परतें चढ़ाने में लगे गोदी टिप्पणीकारों इस तरह के दावों में क्या जरा सी भी सचाई है कि विपक्षी गठबंधन, इंडिया की अविश्वास प्रस्ताव के जरिए घेरने की कोशिशों को मोदी ने कामयाबी के साथ अपने लिए मौके में बदल लिया है, कि अविश्वास प्रस्ताव लाना विपक्ष का सैल्फ गोल साबित हुआ है, वगैरह।

बेशक, अविश्वास प्रस्ताव की इस पूरी प्रक्रिया का कुल मिलाकर जनता के बीच प्रभाव के अर्थ में क्या नतीजा निकलता है, यह संसद में इस मामले में जो कुछ हुआ है उससे बढ़कर, इस पर निर्भर करता है कि जनता के बीच कौन, क्या संदेश, कहां तक ले जा सकेगा। फिर भी संसद में जो कुछ हुआ, उसकी एक वस्तुगत सचाई भी है, जिसे आसानी से मिटाया, दबाया या छुपाया नहीं जा सकता है। इस सचाई के बेशक, यह एक महत्वपूर्ण पहलू है कि अविश्वास प्रस्ताव के बावजूद, मोदी सरकार बनी हुई है यानी संसदीय प्रक्रिया के रूप अविश्वास प्रस्ताव की हार हो गयी है। लेकिन, यह नतीजे का ऐसा पहलू है, जो इस मुकाबले के शुरू होने से पहले से सब को पता था। चूंकि इस नतीजे के लिहाज से तो शुरू से यह मुकाबला था ही नहीं, इसीलिए हैरानी की बात नहीं है कि विपक्ष अंत तक गिनती से नतीजा निकाले जाने के लिए नहीं रुका। इस आधार मोदीशाही के जीत के दावे करने को हास्यास्पद ही कहा जाएगा। यह दूसरी प्रधानमंत्री इस पहलू से अपनी जीत की इस हास्यास्पदता को, विपक्षी डर गए, विपक्षी भाग गए, आदि के अपने दावों से ढांपने की कोशिश तो फिर भी करते रह ही सकते हैं।

तब प्रधानमंत्री के विपक्ष के अविश्वास को हराने और नेगेटिविटी को करारा जवाब देने, आदि का आधार क्या है? विपक्ष की ओर से शुरू से ही यह स्पष्ट कर दिया गया था कि उसने अविश्वास प्रस्ताव, प्रधानमंत्री को मणिपुर के गंभीर हालात पर बोलने तथा सवालों के जवाब देने के लिए मजबूर करने के आखिरी उपाय के तौर पर अविश्वास प्रस्ताव का सहारा लिया था। इससे पहले, प्रधानमंत्री को संसद में आकर मणिपुर पर बोलने के लिए मजबूर करने की विपक्ष की सारी कोशिशें, जो मानसून सत्र के पहले दिन से ही शुरू हो गयी थीं, विफल हो चुकी थीं। प्रधानमंत्री मोदी ने संसद सत्र के शुरू होने से ऐन पहले, पहली बार मणिपुर की विभीषिका पर बोलने के लिए जब अपना मुंह खोला था, तब तक मणिपुर को जलते हुए अस्सी दिन हो चुके थे। इसके बावजूद, प्रधानमंत्री ने जो बहुत ही सीमित सा और अति-संक्षिप्त वक्तव्य दिया भी, वह संसद के दायरे से बाहर दिया, जिस पर उनसे किन्हीं सवालों के उत्तर देने की अपेक्षा की ही नहीं जा सकती थी। इसके बाद, अविश्वास प्रस्ताव के चलते ही, जो कि घोषित रूप से मणिपुर के हालात पर केंद्रित कर पेश किया गया था, प्रधानमंत्री को मणिपुर पर अपना मुंह खोलना मंजूर किया, लेकिन तब तक मणिपुर की विभीषिका को चलते सौ दिन पूरे हो चुके थे। इसे विपक्ष की और जाहिर है कि मणिपुर की जनता की ओर से विपक्ष की जीत कहना ही होगा कि प्रधानमंत्री को, मणिपुर के हालात पर कम से कम चिंता जतानी पड़ी और वहां सभी से शांति की अपील भी करनी पड़ी। याद रहे कि बीस दिन पहले, मानसून सत्र की शुरूआत से ऐन पहले, प्रधानमंत्री ने जब एक वीडियो के जरिए वाइरल हुई दो कुकी महिलाओं के साथ दरिंदगी की घटना के सार्वजनिक चर्चा में आने की पृष्ठभूमि में पहली बार मणिपुर के घटनाक्रम पर अपना मुंह खोला था, उन्हें न तो कुल मिलाकर हालात पर चिंता जताना जरूरी लगा था और न लोगों से शांति की अपील करना।

इसके बावजूद, क्या नरेंद्र मोदी एंड कंपनी ने अंतत: अविश्वास प्रस्ताव पर बहस में अपनी जवाबों से और खासतौर पर मणिपुर के संबंध में अपने जवाबों से विपक्ष के अविश्वास ''हरा'' नहीं दिया? इसका जवाब एक जोरदार नहीं ही हो सकता है। इस नहीं के अनेक वस्तुगत कारण हैं। इसका सबसे स्थूल तथा आसानी से देखा जा सकने वाला कारण तो इसी से जुड़ा हुआ है कि मणिपुर पर केंद्रित बहस में भी, अपने रिकार्ड तोड़ सवा दो घंटे के भाषण में प्रधानमंत्री का जिक्र करने तक पहुंचते-पहुंचते, करीब सौ मिनट लग गए। और करीब सौ मिनट बाद, विषय पर पहुंचने के बाद भी प्रधानमंत्री, मुश्किल से आठ मिनट इस विषय पर बने रह पाए। और इस आठ मिनट में भी प्रधानमंत्री ने यह कहने के अलावा कि उनके हमजोली तथा गृहमंत्री, अमित शाह इसी बहस के क्रम में एक दिन पहले अपने लंबे भाषण में, अपेक्षाकृत विस्तार से मणिपुर के संबंध में सरकार का नजरिया रख चुके थे; प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार के ही उत्तर-पूर्व का सबसे ज्यादा ख्याल रखने वाली सरकार होने अति-सामान्यीकृत दावे किए और एक दिन मणिपुर में शांति लौटने से लेकर, एक दिन उत्तर-पूर्व के सारी दुनिया का बहुत ही महत्वपूर्ण केंद्र बन जाने की और भी सामान्यीकृत बयान बाजी की।

राजेन्द्र शर्मा

> **वास्तव में नरेंद्र मोदी का इस सामान्यीकृत बयानबाजी से भी ज्यादा जोर, दो अनुचित तथा निराधार, किंतु उनके हिसाब से ''करारा जवाब'' देने के लिए जरूरी दावों पर रहा। पहला यह कि विपक्ष, जो मणिपुर पर बहस के घोषित उद्देश्य से अविश्वास प्रस्ताव लाया था, वास्तव में मणिपुर पर बहस नहीं चाहता था और अविश्वास प्रस्ताव की आड़ में मणिपुर पर बहस से बचने की कोशिश कर रहा था। दूसरा, संक्षेप में यह कि मणिपुर समेत पूर्वोत्तर में जो कुछ भी हुआ है, मोदी राज में हुआ है और वहां जितनी भी समस्याएं हैं, वे पिछली कांग्रेसी सरकारों की पैदा की हुई या छोड़ी हुई समस्याएं हैं। और यह भी कि मोदी सरकार के रूप में देश में पहली बार ऐसी सरकार आयी है, जिसे उत्तर-पूर्व की चिंता है।**

वास्तव में नरेंद्र मोदी का इस सामान्यीकृत बयानबाजी से भी ज्यादा जोर, दो अनुचित तथा निराधार, किंतु उनके हिसाब से ''करारा जवाब'' देने के लिए जरूरी दावों पर रहा। पहला यह कि विपक्ष, जो मणिपुर पर बहस के घोषित उद्देश्य से अविश्वास प्रस्ताव लाया था, वास्तव में मणिपुर पर बहस नहीं चाहता था और अविश्वास प्रस्ताव की आड़ में मणिपुर पर बहस से बचने की कोशिश कर रहा था। दूसरा, संक्षेप में यह कि मणिपुर समेत पूर्वोत्तर में जो कुछ भी हुआ है, मोदी राज में हुआ है और वहां जितनी भी समस्याएं हैं, वे पिछली कांग्रेसी सरकारों की पैदा की हुई या छोड़ी हुई समस्याएं हैं। और यह भी कि मोदी सरकार के रूप में देश में पहली बार ऐसी सरकार आयी है, जिसे उत्तर-पूर्व की चिंता है। जबकि पहले की सरकारें तो उत्तर-पूर्व की दुश्मन थीं। इसी सिलसिले में प्रधानमंत्री ने, जी हां स्वयं देश के प्रधानमंत्री ने ''इन (कांग्रेस) की वायु सेना'' कहकर, 1966 में मिजोरम में बागियों के खिलाफ वायु सेना के प्रयोग की और इसी प्रकार, 1984 के जून में अकाल तख्त पर काबिज भिंडरांवालां की हथियारबंद फौज के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की, 'अपनी जनता के साथ दुश्मनों जैसा सलूक' कहकर सिर्फ इसलिए भर्त्सना कर दी कि इस तरह तब प्रधानमंत्री रहीं इंदिरा गांधी पर और अब उनकी पार्टी कांग्रेस पर, निशाना साधा जा सकता था! हैरानी की बात नहीं है कि बगावत के खिलाफ इन कार्रवाइयों का विरोध, किसी शांतिवादी नेता द्वारा नहीं किया जा रहा था बल्कि ऐसे नेता द्वारा किया जा रहा था जिसके अपने राज का, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं से लेकर छात्र कार्यकर्ताओं तक, अपने खिलाफ आवाज उठाने वालों के खिलाफ अधिकतम दमनकारी शक्ति का प्रयोग करने का रिकार्ड रहा है। और इस राज में जम्मू-कश्मीर में जो कुछ किया जाता रहा है, उसका तो खैर जिक्र ही करना बेकार है।

इस अविश्वास प्रस्ताव प्रकरण में विपक्ष की सबसे बड़ी जीत यह है कि वह, मणिपुर के मामले में मोदी सरकार की आपराधिक अगंभीरता को और उसके दावों के झूठ को भी बेनकाब करने में कामयाब रहा है। इस सिलसिले में सिर्फ दो-तीन प्रकरणों जिक्र करना काफी होगा। पहला, मणिपुर के दो लोकसभा सदस्यों में से, एक को भी मणिपुर पर केंद्रित इस बहस में बोलने नहीं दिया गया, क्योंकि सच सामने आ जाने का डर था। दो में एक लोकसभा सदस्य, जो केंद्र सरकार में मंत्री भी हैं, भाजपा से ही हैं और इम्फाल में उग्र भीड़ ने उनका घर भी जला दिया था। बात में एनडीए की एक सहयोगी पार्टी के मणिपुर से लोकसभा सदस्य ने प्रैस को बताया भी कि वह बहस में बोलना चाहता था, लेकिन उसे खासतौर पर भाजपा की ओर से बोलने से रोका गया था। उधर राज्यसभा में, पड़ौसी मिजोरम के एकमात्र सांसद, एनडीए के सहयोगी दल के वनलालथेना ने जब अपने भाषण में इसकी शिकायत की कि गृहमंत्री अमित शाह, मणिपुर के आदिवासियों को विदेशी म्यांमारी क्यों बता रहे हैं, उनके सार्वजनिक बयान के अनुसार उनका माइक बंद कर दिया गया। बाद में, मणिपुर के दस कुकी विधायकों ने चिट्ठी लिखकर, गृहमंत्री अमित शाह द्वारा कुकियों को विदेशी करार दिए जाने पर कड़ा विरोध जताया गया है।

यह साफ-साफ देखा जा सकता है कि अपनी विभाजनकारी बहुसंख्यकवादी राजनीति में कैद मोदी सरकार, देश की एकता का कमजोर कर रही है। इस सचाई को सबके सामने लाना, इस अविश्वास प्रस्ताव प्रकरण में विपक्षी मंच, इंडिया की सबसे बड़ी जीत है। बेशक, उसकी एक और जीत, पहले जनतंत्रविरोधी दिल्ली विधेयक और फिर अविश्वास प्रस्ताव पर, मजबूती से अपनी एकता बनाए रखना भी है। इसीलिए तो मोदीशाही की बौखलाहट बढ़ रही है।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

मिट्टी संग सेल्फी, मुस्लिम महिलाओं संग राखी; शहंशाह के नए फरमान!

■ **बादल सरोज**

शहंशाह ने अगस्त महीनों के दो बड़े शिगूफों का फरमान जारी कर दिया है। उन्होंने फरमाया है कि 15 अगस्त को देश के सारे नागरिक अपने हाथों में देश की माटी लेकर अपनी अपनी सेल्फी खींचें और उसे सोशल मीडिया वगैरा पर इधर-उधर चिपकाने के साथ-साथ उन्हें भी भेजें। इसके लिए बाकायदा एक नई साईट भी खोली गयी है। इस फरमान की ख़ास बात यह है कि इसमें बात यहीं तक नहीं रुकेगी, यह इवेंट इससे आगे भी चलने वाला है; 'मेरी माटी मेरा देश' के इस अभियान में इसके बाद एक अमृत कलश यात्रा भी निकलेगी, इन कलशों में मिट्टी के साथ पौधे भी लाये जायेंगे- इस माटी के साथ ये पौधे राष्ट्रीय युद्ध स्मारक - नेशनल वार मेमोरियल- के करीब के, ठीक इसी काम के लिए बनाए जाने वाले परिसर में, एक साथ रोपकर अमृत वाटिका बनाई जायेगी और बकौल उनके इस तरह 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' का भव्य स्मारक बनेगा!! दूसरा फरमान उन्होंने अपने एनडीए के सांसदों को दिया है और उनसे कहा है कि इस रक्षाबंधन पर वे मुस्लिम महिलाओं से राखी बंधवायें। इस आह्वान में हालांकि ऐसा नहीं कहा गया है लेकिन पालित पोषित मीडिया ने, लगभग सभी ने, पसमांदा मुसलमानों को इसमें तरजीह देने का इशारा किया है।

यह न पहले शिगूफे है न आखिरी - पिछली 9 वर्षों में शिगूफेबाजी ही तो हुई है। शुरुआत ही झाडू लगाते हुए फोटो खिंचवाने के हास्यास्पद पाखण्ड से हुई - इसमें पहले कूड़ा कचरा बगराने और उसके बाद एक ही जगह लम्बी-लम्बी झाडू उठाकर अलग-अलग भंगिमा में तस्वीरें उतरवाने के कारनामे हुए; इसे स्वच्छ भारत अभियान का नाम दिया गया। कोरोना की महामारी के दौरान तो इनके नयेपन के मामले में जैसे सारी रचनात्मक उर्वरता चरम पर जा पहुंची थी: लॉकडाउन का शुरुआती ड्रेस रिहर्सल जनता कर्फ्यू से हुआ, इसके बाद 9 तारीख को 9 बजे 9 मिनट तक बत्ती बुझाकर अंधेरे में कोरोना के वायरस को रास्ता भुलाकर गफलत में डालने का निर्देश राष्ट्र को दिया गया। इसके बाद भी यह दुष्ट वायरस नहीं माना तो ताली बजाने, थाली बजाने, दीये और मोमबत्ती जलाने, गो कोरोना गो के नारे लगवाने के नए नए आह्वान आये। कुल मिलाकर यह कि जिसकी उस समय सबसे ज्यादा जरूरत थी उस ऑक्सीजन, पेरासिटामोल, जिंक, विटामिन सी और बी कॉम्प्लेक्स जैसी मामूली इलाज की उपलब्धता को छोड़कर बाकी सब हुआ।

बात सिर्फ इतनी होती तब भी बर्दाश्त कर ली जाती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस तरह के दिखावटी जुमलों वाले आह्वानों के पीछे इतना भर नहीं है, इससे ज्यादा कुछ है और जो है वह गंभीर है। इन दिखावों के पीछे एक इरादा अपने अपकर्मों और देश तथा जनता के साथ किये अपराधों को छुपाने का है। नोट बन्दी के वक्त का ऐसा ही शिगूफाई कथन कि '50 दिन में सब कुछ ठीक न होने पर चौराहे पर खड़ा करके सजा दे देना' लोगों को आज भी याद है। चुनाव जीतने के बाद पहली बार संसद में जाने पर उसकी सीढ़ियों पर लगाई गई लम्बलेट भी लोग भूले नहीं है। उसके बाद संसदीय लोकतंत्र का जो हश्र हुआ वह सामने है, इन दिनों चल रहे संसद सत्र में तो वे जाने से ही कतरा- सकुचा रहे हैं। एक निश्चित अंतराल के बाद रोने का कारनामा तो लगता है कि अब इतना पुराना पड़ गया है कि खुद अभिनेता ने ही उसे अनेक समय से नहीं दोहराया।

इन शिगूफों का दूसरा इरादा आभासीय उजाले की आभा- होलोग्राम- की बिना पर नकली गौरव, लिजलिजा राष्ट्राभिमान पैदा करने का होता है। बुलेट ट्रेन के ख्याली पुलाव से यह सिलसिला शुरू हुआ; कुछ चुनिन्दा रेलवे स्टेशनों को चमचमा कर उन्हें विकास का सूर्योदय साबित करते हुए अब पूरी तरह अव्यावहारिक और अलाभकारी साबित हो चुकी वन्दे भारत रेलगाड़ियों के ढकोसले तक पहुंच गया है। इसी तरह का आवरण डालने की हालिया हरकत अमेरिकी संसद में इतने बार तालियां बजने और उतने बार खड़े होकर जय-जयकार करने की खबरों से फर्जी गर्व पैदा करने की कोशिशों में दिखी; जबकि असल में इनके जरिये उन आपराधिक समझौतों को छुपाया जा रहा था जिनका असर इस देश की विदेश नीति से लेकर आर्थिक औद्योगिक परिस्थिति के लिए विनाशकारी होने वाला है। बेटी बचाओ के खोखले आह्वान के बाद देश भर में बेटियों और उनकी मांओं पर बढ़ते अत्याचारों से ध्यान बंटाने के लिए 'सेल्फी विथ डॉटर' का शिगूफा छोड़ा गया। इधर देश भर में दलितों की दुर्दशा करने के लिए सामाजिक और आर्थिक दोनों मोर्चों पर सारे घोड़े खोल दिए गए उधर डॉ अम्बेडकर के नाम पर विराट स्मारक बनाने का शिगूफा छोड़ दिया। इस काम में अब उनके बाकी लगुये भगुये भी उन्हीं के नक्शेकदम पर चल पड़े हैं; एक भाजपाई आदिवासी के सिर पर पेशाब करता है दूसरा भाजपाई मुख्यमंत्री निवास परउसी आदिवासी के पांव धोता है। इन चंद उदाहरणों से ही सारे शिगूफों की चोंचलेबाजी उजागर हो जाती है।

मगर इन सब आह्वानों के एक बड़े हिस्से का मकसद इन सबके साथ इससे आगे का, किसी न किसी बहाने भीड़ जुटाने और उसे उन्मादी बनाने का है। नए-नए प्रतीक गढ़ने, उनके नाम पर कुछ अर्थहीन काम करवाने की इस कवायद के साथ जो हुजूम इकट्ठा किये जाते हैं उन्हें संघ- भाजपा के एजेंडे के हिसाब से एक खास रुझान में ढालकर जुनूनी बनाने के सायास प्रयत्न किये जाते हैं। इनके द्वारा गढ़ा गया ऐसा ही एक प्रतीक बुलडोजर है। जिसका मुंह अल्पसंख्यकों और दलित आदिवासियों के घरों और दुकानों की दिशा में ही रहता है। इसी के साथ अलग-अलग आह्वान के प्रति रुख के आधार पर असहमत लोगों की शिनाख्त की जाती है, फिर उसे मथ कर हम और वो का सोच बनाया जाता है- जिसके नतीजे जयपुर-मुम्बई ट्रेन जैसे निकलते हैं।

> **यह 2024 का डर है। लगता है इन आह्वानों को देने वाले और उनका पूरा गिरोह समझता है कि डर लगे तो हनुमान चालीसा गाने से काम चल जाएगा; इसीलिये जितना ज्यादा डर बढ़ता जाता है ये उतना ही ज्यादा जोर से गाने लगते हैं। हालांकि कर्नाटक में डर के मारे आख़िरी दिनों में वे खुद इसे आजमा कर देख भी चुके हैं कि जब जनता ठान लेती है तो कोई चौबीसा या पचीसा काम नहीं आता।**

हिटलर और मुसोलिनी वाले फासिज्म के इतिहास में प्रतीकों के इसी तरह गढ़ने और उनके अति दोहन की अनेक मिसालें हैं, इनमें से कई को तो उन्हें अपना गुरु मानने वाले उनके भारतीय बटुकों ने हू ब हू अपनाया है। पिछले स्वतन्त्रता दिवस पर घर घर तिरंगा लगाने और तिरंगे झंडे को अपनी डीपी और प्रोफाइल बनाने के आह्वान इसी तरह के हैं। यह विडंबना नहीं तो क्या है कि आजादी का महत्व समझाने और आजादी की लड़ाई में शहीद हुए हिन्दुस्तानियों के नाम पर कलश यात्राएं निकलवाने का आह्वान वे दे रहे हैं जिनका स्वतन्त्रता संग्राम में रत्ती भर का योगदान नहीं है। तिरंगे का प्रतीक वे इस्तेमाल करना चाहते हैं जो हमेशा इसे राष्ट्रीय ध्वज बनाने के विरुद्ध रहे।

इस तरह की ढीठ शातिर चतुराई यही दिखा सकते हैं कि एक तरफ तो नूंह-मेवात के हिन्दू मुस्लिम बाशिंदों से कहें कि 'फूल मालाएं तैयार रखो, तुम्हारे जीजा आ रहे हैं' मणिपुर में सामूहिक बलात्कार के बाद स्त्रियों को निर्वसन घुमायें और बजाय लज्जित होने के 'ऐसी तो सैकड़ों घटनाएं घटी हैं' कहकर देश की जनता को जीभ चिढ़ायें और वहीं पूरी बेशर्मी के साथ रक्षाबन्धन पर मुस्लिम महिलाओं को बहन बनाने का आह्वान करें। अगर शिगूफेबाजी के शहंशाहे आलम वाकई में अपने इन आह्वानों को लेकर गंभीर हैं तो उम्मीद की जानी चाहिये कि वे खुद इसे अमल में लायेंगे और रक्षाबंधन के दिन अपने ही गुजरात की बहन बिल्किस बानो के घर जाकर उनसे राखी बंधवा कर आयेंगे; खट्टर को नूंह के गांवों में राखी बंधवाने भेजेंगे।

आने वाले दिनों में इसी तरह के और आह्वान आने वाले हैं। यह 2024 का डर है। लगता है इन आह्वानों को देने वाले और उनका पूरा गिरोह समझता है कि डर लगे तो हनुमान चालीसा गाने से काम चल जाएगा; इसीलिये जितना ज्यादा डर बढ़ता जाता है ये उतना ही ज्यादा जोर से गाने लगते हैं। हालांकि कर्नाटक में डर के मारे आख़िरी दिनों में वे खुद इसे आजमा कर देख भी चुके हैं कि जब जनता ठान लेती है तो कोई चौबीसा या पचीसा काम नहीं आता। नूंह- मेवात के किसान दंगाइयों के खिलाफ अपनी एकजुटता से सपष्ट रूप से इस सन्देश की पेशगी दे चुके हैं।

(सम्पादक लोकजतन, संयुक्त सचिव अखिल भारतीय किसान सभा)

स्वतंत्रता दिवस

नए इतिहास का सृजन है 'आजादी'

आज हम फिर से अपनी आजादी को याद कर रहे हैं। आज आजादी का दिन है। हम सभी के लिए आज जश्न मनाने का अवसर है। आधुनिकता की दौड़ में आज का इंसान अपनी रोजमर्रा की जरूरतों में बंधकर खुद की आजादी को भूल रहा है। आज उसी आजादी के स्मरण का महत्वपूर्ण दिन है। हर तरफ उत्सव, उमंग और राष्ट्रीयता की भावना बल्लियों उछल रही है। इन सारी खुशियों के बीच यह सवाल उठ रहा है कि वास्तव में आजादी क्या है? यदि इसे हम कविता और शायरी की भाषा में व्यक्त करना चाहें तो यह एक सुंदर एहसास है। किसी गुलाम से आजादी का मतलब पूछे तो, उसके लिए बेड़ियां तोड़कर स्वच्छंद विचरण ही आजादी है। एक आजाद व्यक्ति से यह पूछना कि आजादी क्या है? अपने आप में पेचीदगी से भरा सवाल है! आजाद व्यक्ति के लिए आजादी से जुड़े अधिकारों को जानना जहां सजगता है, वही कर्तव्य पर विराम चिन्ह लग जाता है! स्वतंत्रता केवल मनुष्य के लिए ही नहीं वरन हर प्राणी के लिए उत्साह बढ़ाने वाली होती है। एक पिंजरे में कैद पक्षी जब अपने समाज को आकाश में स्वच्छंद उड़ान भरता देखता है तो उसे स्वतंत्रता अथवा आजादी का मूल्य समझ में आ जाता है! स्वतंत्रता का सही मूल्यांकन वही व्यक्ति कर सकता है जो गुलामी की जिंदगी जी रहा हो। आज जब मैं स्वतंत्रता के सही मायनों को तलाश रहा हूं, तब मुझे शिवमंगल सिंह सुमन जी की पंक्तियां बरबस ही याद आ रही है-

'हम पक्षी उन्मुक्त गगन के, पिंजरबद्ध न गा पाएंगे,
कनक तीलियों से टकराकर, पुलकित पंख टूट जाएंगे।
हम बहता जल पीने वाले, मर जाएंगे भूखे प्यासे,
कहीं भली है कटुक निबोरी, कनक-कटोरी की मैदा से।।

स्वतंत्रता किसे पसंद नहीं? कोई इसे छीनने आतुर होता है, तो कोई अपनी विवशता के आगे मूक बना रहता है। मनुष्यों से लेकर पशु-पक्षियों और पेड़- पौधों में भी आजादी की ललक का एहसास किया जा सकता है। हम अपने आसपास के प्राकृतिक वातावरण में भी आजादी का सुंदर उदाहरण पा सकते हैं। पौधों और वृक्षों की प्रजातियां को हम भरपूर स्वतंत्रता प्रदान करें तो वे विशाल वन का रूप अख्तियार कर अपने विभिन्न प्रजातियों का वृद्ध स्वरूप हमारे सामने ला दिखाते हैं। इन्हीं पौधों और वृक्षों की बोनसाई प्रजाति को जब हम अपने घरों के गमलों में सजाते हैं, तो उनकी आजादी भी जंजीरों में जकड़ जाती है, और सुंदर पौधे तथा वृक्ष केवल हमारे घर-आंगन की शोभा बनकर रह जाते हैं। देखा जाए तो आजादी की महत्ता अनगिनत स्वरूपों में दिखाई पड़ती है। यही विकास के लिए आवश्यक भी है। वास्तव में स्वतंत्रता वह साधन है जिसके द्वारा नित्य नए विचारों का प्रस्फुटन होता है। रचनात्मक कला के चलते विकास के सर्वोत्तम मार्गों का निर्माण होता है। यह कहने में कोई संकोच नहीं कि जब किसी कलाकार, अभिनेता या वैज्ञानिक को अपने विचारों को पंख लगाने अथवा साकार रूप देने की स्वतंत्रता प्राप्त होती है तो एक नए इतिहास का सृजन होता है। इन्हीं परिस्थितियों में कोई एपीजे अब्दुल कलाम तो कोई नृत्य और संगीत का बेताज बादशाह बनकर देश का गौरव बन जाता है।

यह शाश्वत सत्य है कि हमारी आजादी हमें उत्साहित करती है। 15 अगस्त 1947 के बाद से हमने बहुत कुछ पाया है। हमने प्रगति और विकास के मार्गों पर कदम बढ़ाया है। मैं तो इस कल्पना मात्र से कांप उठता हूं कि हम स्वतंत्र ना होते तो क्या होता? आजादी के बिना हम आज के भारत की तस्वीर को नहीं देख पाते! हम बेशक अपनी आजादी का उत्सव पूरे गौरव और उमंग के साथ मनाते रहें, किंतु हमारी एक नजर उस ओर भी जाना चाहिए, जहां हमारे अपने लोग गरीबी की गुलामी में जकड़े हुए हैं!

सूर्यकान्त मिश्रा

आपके पत्र

हर घर तिरंगा अभियान और ध्वज संहिता का मान

भारत की स्वतंत्रता के 76वें वर्ष के जश्न के हिस्से के रूप में, भारत सरकार ने 'हर घर तिरंगा' अभियान शुरू किया है। अभियान में भाग लेते समय भारतीय ध्वज संहिता को समझना जरूरी है। 'हर घर तिरंगा' आज़ादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में एक अभियान है, जिसका उद्देश्य लोगों को तिरंगे को घर लाने और भारत की आज़ादी के 76वें वर्ष के उपलक्ष्य में इसे फहराने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस अभियान के माध्यम से नागरिकों को 13 से 15 अगस्त 2023 तक अपने घरों में झंडा फहराने के लिए प्रोत्साहित किया है। इस पहल के पीछे का विचार लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना जगाना और भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज भारत के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है। यह हमारे राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सार्वभौमिक स्नेह, सम्मान और निष्ठा है। यह भारत के लोगों की भावनाओं और मानस में एक अद्वितीय और विशेष स्थान रखता है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का फहराना/उपयोग/प्रदर्शन राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम, 1971 और भारतीय ध्वज संहिता, 2002 द्वारा नियंत्रित होता है। भारतीय ध्वज संहिता राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन के लिए सभी कानूनों, सम्मेलनों, प्रथाओं और निर्देशों को एक साथ लाती है। यह निजी, सार्वजनिक और सरकारी संस्थानों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन को नियंत्रित करता है। अपना राष्ट्रीय ध्वज यानी तिरंगा। इसको लहराते देख गर्व से सीना चौड़ा हो जाता है। इस के सम्मान में इसे सैल्यूट करने का मन चाहता है।

सबसे पहले 7 अगस्त 1906 कलकत्तामें 'लोअर सर्कुलर रोड' के पास पारसी बागान स्क्वायर पर पहला राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया था। उस समय इसमें लाल, पीले और हरे रंग की तीन क्षैतिज पट्टियां बनी हुई थीं। इसके बाद, कई बदलावों से गुजरते हुए यह राष्ट्रीय ध्वज 22 जुलाई, 1947 को संविधान सभा द्वारा इसके मौजूदा स्वरूप में स्वीकार किया गया। इसके मौजूदा स्वरूप को डिजाइन करने में स्वतंत्रता सेनानी पिंगली वेंकय्या का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जब भी ध्वज फहराया जाए तो उसे सम्मानपूर्ण स्थान दिया जाए। उसे ऐसी जगह लगाया जाए, जहां से वह स्पष्ट रूप से दिखाई दे। सरकारी भवनों पर रविवार और अन्य छुट्टियों के दिनों में भी ध्वज को सूर्योदय से सूर्यास्त तक फहराया जाता है, विशेष अवसरों पर इसे रात को भी फहराया जा सकता है। यानी आमतौर पर सूर्यास्त के बाद ध्वज को फहराने की अनुमति नहीं है। ध्वज को सदा स्फूर्ति से फहराया जाए और धीरे-धीरे आदर के साथ उतारा जाए। फहराते और उतारते समय बिगुल बजाया जाता है तो इस बात का ध्यान रखा जाए कि ध्वज को बिगुल की आवाज के साथ ही फहराया और उतारा जाए।

ध्वज केवल राष्ट्रीय शोक के अवसर पर ही आधा झुका रहता है किसी दूसरे ध्वज या पताका को राष्ट्रीय ध्वज से ऊंचा या ऊपर नहीं लगाया जाएगा, भारतीय ध्वज संहिता, 2002 को 19 जुलाई, 2022 के आदेश द्वारा संशोधित किया गया था। अब, जब झंडा खुले में प्रदर्शित किया जाता है या जनता के किसी सदस्य के घर पर प्रदर्शित किया जाता है, तो इसे दिन और रात फहराया जा सकता है। झंडों को फेंके नहीं, कूड़ेदान में भी नहीं डालें। घर पर लगे झंडों को तह बनाकर घर में रखे। 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत लोगों ने अपने घरों में झंडे लगाए हैं। ऐसे में लोग सम्मान के साथ इन तिरंगों को साफ करके प्रेस करके घर के अंदर उन्हें संभालकर रख सकते हैं। इन झंडों का इस्तेमाल अगले साल के लिए किया जा सकता है।

प्रियंका सौरभ

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770

ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

तिरंगा रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मेरठ,14 अगस्त (देशबन्धु)। आयुक्त कार्यालय से आयुक्त सेल्वा कुमारी जे. द्वारा द एवेन्यू पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं एवं एनसीसी कैडेट की मेरी माटी मेरा देश, मिट्टी को नमन, वीरो का वंदन एवं हर घर तिरंगा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं द्वारा नाट्य प्रस्तुति दी गई। आयुक्त द्वारा नाट्य प्रस्तुति की सराहना की गयी। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सैनानियों पर अंग्रेजों द्वारा किए गए अत्याचार को याद कर आंखे नम हो जाती है। इस अवसर पर नगर आयुक्त डा. अमित पाल शर्मा, अपर आयुक्त महेन्द्र प्रसाद, अपर आयुक्त शमशाद हुसैन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

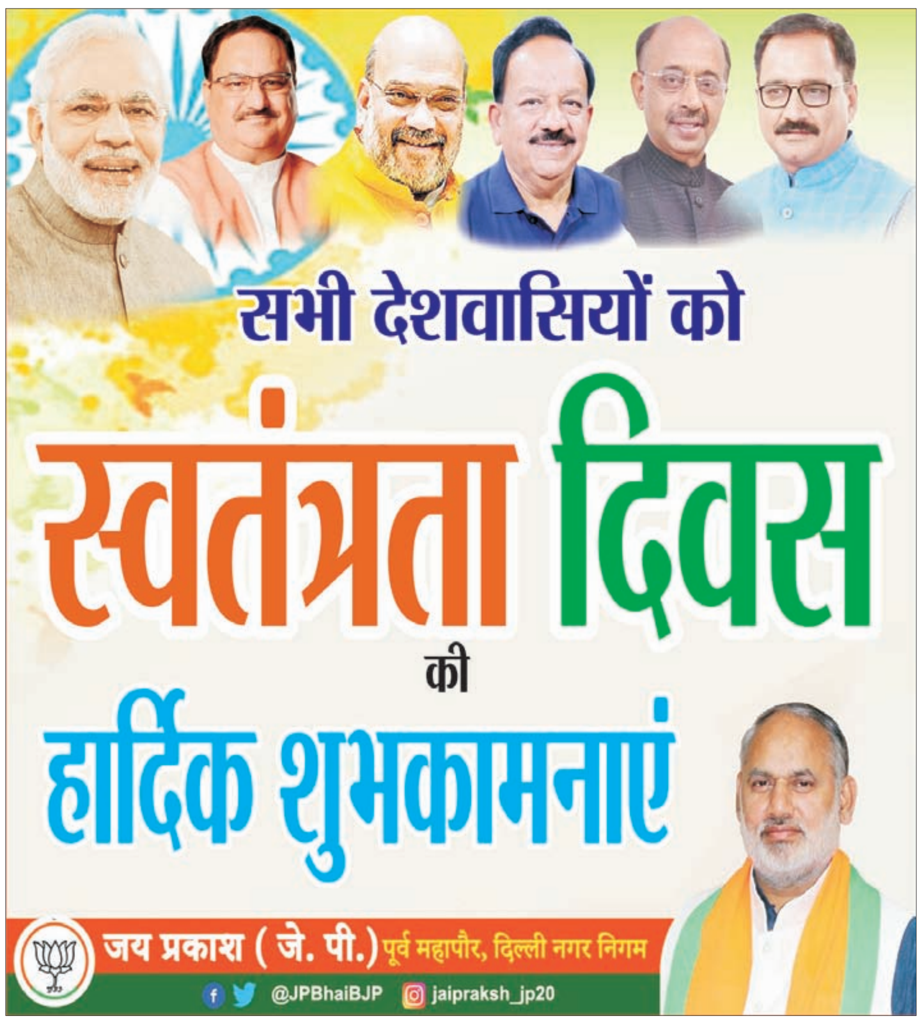

जे.एस. एकेडमी में स्वतंत्रता दिवस पर संकल्प: 'राष्ट्र पहले, हमेशा पहले'

ग्रेटर नोएडा डेल्टा 3 में स्थित जे. एस. एकेडमी स्कूल में आजादी का अमृत महोत्सव महापर्व उल्लास पूर्वक मनाया गया आजादी के 77 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंध निदेशक श्री आर. के शर्मा जी के द्वारा ध्वजारोहण कर किया गया तत्पश्चात शहीदों की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि

अर्पितकर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान विद्यार्थियों, शिक्षिकाओं ने देश की आन बान शान की रक्षा के लिए संकल्प लिया इस कार्यक्रम में कक्षा नर्सरी से कक्षा 8 तक के सभी विद्यार्थियों तथा शिक्षकगण ने उल्लास पूर्वक भाग लिया। समारोह में विद्यार्थियों द्वारा भव्य मार्च पास्ट भी निकाला गया।

स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में कक्षा नर्सरी से 8 तक के छात्र छात्राओं के द्वारा, समूह गान, देशभक्ति नृत्य, कविताएं, गीत, भाषण आदि की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। कक्षा नर्सरी के विद्यार्थियों ने प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानियों का रूप धारण कर उन के नारों से अवगत कराया । कक्षा 2 तथा 3 के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान पर एक सुंदर नाटक प्रस्तुत किया जो सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र था, तथा एक सीख दी कि राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करना देश के सभी नागरिकों का कर्तव्य है । स्वतंत्रता दिवस 2023 की थीम राष्ट्र पहले, हमेशा पहले के अंतर्गत कक्षा 7 तथा 8 के विद्यार्थियों द्वारा भारत की उपलब्धियां, भारत मंडपम तथा जी–20 के बारे में रोमांचक जानकारी दी गई। हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा चलाई गई मुहिम आत्मनिर्भर भारत पर आधारित कक्षा 4 के विद्यार्थियों ने एक सुंदर कविता प्रस्तुत की । स्कूल के प्रबंध निदेशक श्री आर. के. शर्मा जी ने विद्यालय के छात्र–छात्राओं एवं शिक्षिकाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत राष्ट्र हमारा एक बड़ा परिवार हैं जिसकी अस्मिता, सुरक्षा, एकता, अखंडता एवं संस्कृति के संरक्षण के लिए सदैव तन, मन, धन से सेवा करने के लिए तत्पर रहना चाहिए। युवाओं के भारत देश की सर्वोच्चता तभी स्थापित की जा सकेगी, जब प्रत्येक नागरिक अपने निजी हितों की आहुति देकर राष्ट्र हित को सर्वोपरि मानेगा। विद्यालय की निर्देशिका श्रीमती परिधि शर्मा ने विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए कहा कि हमें अपना लक्ष्य खुद निर्धारित कर उसके लिए प्रयत्नशील रहना चाहिए। छात्रों को अपनी शिक्षा मन लगाकर ग्रहण करनी चाहिए। छात्र देश का भविष्य होते हैं उन्हें देश के प्रति आदर सम्मान और देश भक्ति की भावना रखनी चाहिए। –

प्रधानाचार्या श्रीमती खुशबू शर्मा ने छात्र–छात्राओं एवं शिक्षिकाओं को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए कहा कि मैं अपने विद्यालय के नौनिहालों से अनुरोध करती हूँ कि वे अपने दायित्वों को पूर्ण करने के लिए संकल्प करें, तभी भारत के स्वर्णिम स्वप्न सत्य होंगें। भारत ऐसा महान देश है जहाँ विभिन्न धर्म, संस्कृति, सभ्यताएँ अपने सम्पूर्ण स्वरूप में विकसित होकर वट वृक्ष की तरह निरन्तर विकसित हो रही हैं।

आजादी की पूर्व संध्या पर मोमबत्ती जलाकर किया याद

नोएडा, 14 अगस्त (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव की पूर्व संध्या पर आज शहीदों को याद करते हुए मोमबत्ती जलाकर सेक्टर-51 रेड लाइट बार याद किया गया। प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने बताया कि हम उन्हें कभी भी नहीं भूल सकते जिन्होंने हमें आजाद भारत में रहने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन वीर सैनिकों के साथ साथ उनकी माताओं को भी नमन हैं जिन्होंने उन वीर बहादुर को जन्म देकर इस देश को आजाद करवाने में अहम भूमिका निभाई। किसी के अधीन रहना क्या होता है ये उन आजादी से पूर्व के लोगों से पूछकर देखिए जिन्होंने उस दर्द को सहा था। जैन ने युवाओं को कहा कि हमें हिन्दू और हिंदुत्व की रक्षा के लिए हमेशा तैयार रहना है। देश की अखंडता पर हमला करने वालों को सख्त से सख्त जवाब देना है।

प्रदेश उपाध्यक्ष सौरभ सिंह ने बताया कि सैकड़ों की संख्या मैं युवाओं ने आज इस आयोजन में हिस्सा लिया और तिरंगा यात्रा को सफल बनाया। प्रदेश महामंत्री निखिल अग्रवाल ने कहा कि हम इतने सुंदर देश के परी कल्पना भी नहीं कर सकते थे यदि हम आज आज़ाद न हुए होते । उन वीर शहीदों को शत-शत् नमन जिन्होंने हमें आजादी दिलवाई।

'मेरी माटी मेरा देश' कार्यक्रम के अंतर्गत केंद्रीय मंत्री ने शिरकत की

गाजियाबाद, 14 अगस्त (देशबन्धु)। केंद्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग एवं नागर विमानन राज्यमंत्री जनरल डॉ. विजय कुमार सिंह ने सोमवार को लोनी विधानसभा क्षेत्र के गांव बादशाहपुर सिरोली के प्राथमिक विद्यालय में 'मेरी माटी मेरा देश' कार्यक्रम के अंतर्गत सभी उपस्थित सम्मानित क्षेत्रवासियों के माध्यम से क्षेत्र की मिट्टी को इकट्ठा किया। इस मिट्टी को एकत्रित करने के साथ-साथ सिंह ने क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर शपथ ग्रहण किया। इसके साथ ही मेरी माटी मेरा देश के अंतर्गत ही नगर पालिका परिषद लोनी द्वारा कंपोजिट विद्यायल बागराण में आयोजन के दौरान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और शहीद सैनिकों के परिजनों को सम्मान एवं शिलाफलकम कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम के माध्यम से मंत्री ने शपथ दिलाते हुए कहा कि 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करें। गुलामी की मानसिकता को जड़ से उखाड़ फेंकेंगे। देश की समृद्ध विरासत पर गर्व करेंगे।

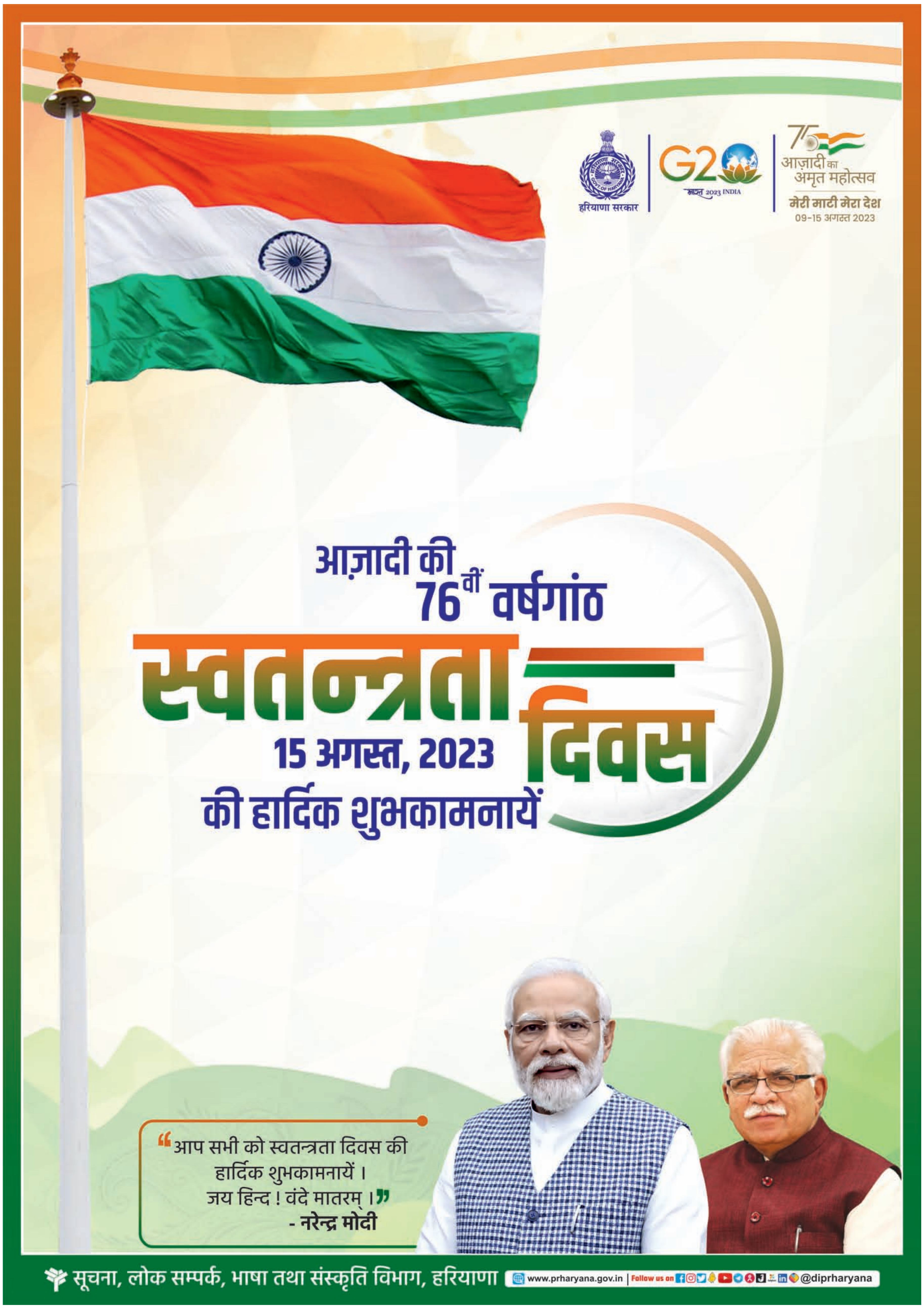

'बिग बॉस ओटीटी 2' में मेरी जर्नी 'मेंटल रोलर कोस्टर' रही : जिया शंकर

मुंबई, 14 अगस्त (एजेंसियां)। फिनाले से कुछ दिन पहले शो 'बिग बॉस ओटीटी 2' से बाहर हुई एक्ट्रेस जिया शंकर ने अपनी जर्नी के बारे में बात की। उन्होंने इसे 'मेंटल रोलर कोस्टर' के रूप में परिभाषित किया है। जिया ने इंस्टाग्राम पर शो का एक वीडियो असेंबल शेयर किया और कहा कि वह अपनी जर्नी के कारण विजेता बनकर उभरी हैं। उन्होंने वीडियो के साथ लिखा, घर में मेरी यात्रा निश्चित रूप से मानसिक उतार-चढ़ाव भरी रही है और मैं विजेता बनकर बाहर आई हूं। आप लोगों ने मुझे जो प्यार दिया है, उससे मेरा दिल भर गया है। उन्होंने आगे कहा कि इस एक्सपीरियंस ने मुझे जीवनभर के लिए सबक दिया है और मैं पूरे दिल से इस जर्नी के लिए हमेशा आभारी रहूंगी। धन्यवाद, धन्यवाद, धन्यवाद। जिया ने एल्विश यादव, मनीषा रानी, अभिषेक मल्हान, पूजा भट्ट और बेबिका धुर्वे के साथ टॉप 6 में जगह बनाई थी। जिया के शो से बाहर आने पर अब टॉप 5 में एल्विश यादव, मनीषा रानी, अभिषेक मल्हान, पूजा भट्ट और बेबिका धुर्वे बचे हैं।

भारत वर्ष में चिकित्सा सेवा के आकाश पटल पर स्वर्णाक्षरो में अंकित "न्यूटिमा " हॉस्पिटल" के नाम से लोगो को सेवा, सहयोग और विश्वास की वर्षों पुरानी परम्परा उत्तम स्वास्थ्य प्राप्ति का विश्वास दिलाती है।

चिकित्सा सेवा में अग्रणी **"न्यूटिमा हॉस्पिटल"** मेरठ की स्थापना का मुख्य उद्द्देश्य भारत वर्ष के आमजनमानस को नवीनतम आधुनिकतम, विश्वस्तरीय चिकित्सा सेवा उपलब्ध करना रहा है। चिकित्सा सेवा प्रदान करने के साथ साथ "न्यूटिमा" हॉस्पिटल ने सदैव रोग के सन्दर्भ में जागरूकता, रोग से बचाव और निवारण हेतु राष्ट्रव्यापी जन जागरूकता कार्यकर्मो की व्यवस्था की, जिससे की रोगों के सन्दर्भ में रोगी, उसके तीमारदारो और परिवार वालो को किसी प्रकार की अज्ञानता न रहे और वे अपने रोगों को भली भांति सोच-समझकर, रोग की गंभीरता का मूल्यांकन करके, रोग के

परामर्श- जांच- उपचार और अन्य चिकित्सा व्ययों का आंकलन कर समुचित एवं सम्पूर्ण उपचार करने में कामयाब हो सके एवं उसके मन में सदैव हर्षोल्लास की भावना रहे। **"न्यूटिमा हॉस्पिटल"** के प्रबंधतंत्र का मुख्य उद्द्देश्य अधिकाधिक धन कमाना न होकर यहाँ उपचार हेतु आने वाले हर खासो-आम का पूर्ण सेवा भावना, चिकित्सा लाभ पहुँचाने की भावना और रोगी को पूर्ण रूपेण स्वास्थय लाभ पहुँचाने की भावना से सेवा करना मात्र है। यहाँ उपचार की कामना के साथ आने वाले समस्त मरीजों के लिए हर प्रकार की मूलभूत और आवश्यक चिकित्सा सेवाएँ हमेशा उपलब्ध रहती हैं। मरीजों का ध्यान रखने के लिए हॉस्पिटल में योग्य एवं अनुभवी चिकित्सक, चिकित्सकीय सहयोगी दिन रात उपलब्ध रहते है और असंभव से असंभव रोग के उपचार को अपने अनुभव के बल पर संभव और सफल बनाते है। यहाँ मरीज का केवल उपचार ही नहीं किया जाता वरन् उसके आजीवन स्वास्थ्य की मंगल कामना की जाती है।

न्यूटिमा हॉस्पिटल, मेरठ का रिश्ता यहाँ आने वाले प्रत्येक रोगी से उसके परिवार जैसा है। दुसरे शब्दों में आप कह सकते है की घर के बाहर रोग का उपचार बिलकुल घर जैसा । यही रिश्ता रोगी एवं उसके परिवार के साथ एक अटूट रिश्ता कायम करता है। जिसके कारण ही आज उत्तर प्रदेश ही नहीं वरन दुसरे राज्यों और दूर दराज के क्षेत्रो में भी आमजनमानस का मानना है की गंभीर से गंभीर और असाध्य रोगों की अवस्था में भी जान बचाने के लिए बस न्यूटिमा हॉस्पिटल, मेरठ तक एक बार पहुंचना काफी है । अपनी चिकित्सा व्यवस्था और निस्वार्थ भाव से सेवा प्रदान करने की वजह से न सिर्फ मेरठ बल्कि उसके बाहर भी

अपने नाम का परचम लहराया है । संसार का प्रत्येक व्यक्ति स्वस्थ रहे, खुश रहे, इस मंगल कामना को करते रहने के साथ **न्यूटिमा हॉस्पिटल** में विश्वस्तरीय चिकित्सा सेवाए, 6 स्टेट ऑफ डी आर्ट मोड्युलर ऑपरेशन थिएटर, 2सी – आर्म मशीन, पांच एनेस्थेसिया वर्कस्टेशन, ऑटोक्लेव मशीन, दो लैप्रोस्कोप, दो ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोप जैसी विश्वस्तरीय सुविधायें भी उपलब्ध हैं । क्रिटिकल केयर एंड ट्रॉमा सेंटर, बाल रोग एवं नवजात शिशु रोग, मरीजों के लिए स्पेशल वेंटिलेटर व नर्सरी, अत्याधुनिक एनआईसीयू व पीसीयू, किडनी एवं यूरोलॉजी केयर, दूरबीन विधि द्वारा बिना चीरा लगाए हड्डी सम्बंधित रोगों की जांच, घुटना और कुलहो के ऑपरेशन की व्यवस्था, मस्तिष्क के रोगों का निदान एवं दूरबीन द्वारा मस्तिष्क का ऑपरेशन, सभी प्रकार के ऑपरेशन की व्यवस्था, एंडोक्राइन एंड ब्रेस्ट सर्जरी, एडवांस आई केयर, आधुनिक आई.सी.यू. इंटरनल मेडिसिन, क्रिटिकल केयर एवं मल्टीस्पेशलिटी रोग विशेषज्ञ, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, सीटीजी मशीन द्वारा बच्चे की जांच एवं हाई रिस्क प्रेग्नेंसी का इलाज, दिल सम्बंधित जांच व इलाज, जन्मजात ह्रदय विकारों का उपचार, नाक, कान, गला रोगों का इलाज, एंडोस्कोपिक साइनस सर्जरी, ईयर सर्जरी तथा अन्य सर्जरी, पैथोलॉजी विभाग, एडवांस्ड डेंटल, मैक्सिलोफेशियल एवं टीएमजे केयर विभाग मौजूद है।

न्यूटिमा हॉस्पिटल, मेरठ में **डायलिसिस यूनिट:** अल्ट्रामॉडर्न सुविधाओं के साथ, रेडियोलॉजी सेवाएं: एक्सरे, यू/एस, सीएआरएम, सीटी, ईको, एमआरआई, अत्याधुनिक पैथोलॉजी सेवाएं:- सभी सुविधाओं के साथ, ब्लड बैंक शीघ्र ही संचालन में, फिजियोथैरेपी मशीनरी के साथ, फार्मेसी: 24 घंटे उन्नत सेवाएं एंब्यूलेंस सेवा: 24 घंटे, कैफेटेरिया : परिसर में खान-पान जैसी कई सुविधाएं उपलब्ध है। **न्यूटिमा हॉस्पिटल** में पिछले पांच वर्षो में लगभग 225 से भी अधिक गुर्दा प्रत्यारोपण हो चुके है। कुछ गुर्दा प्रत्यारोपण तो ऐसे रोगियों के भी थे जिनके ब्लड ग्रुप भी अलग-अलग थे एवं ऐसा ऑपरेशन करना लगभग असंभव सा होता है। परन्तु आज तक रोगी बिलकुल स्वस्थ है एवं खुशहाल दैनिक जीवन जी रहे है । विश्व की नवीनतम – आधुनिकतम डायलिसिस तकनीक स्लेज एवं सी ए आर टी के द्वारा जीवन बचाना आसान हो पा रहा है।

अंगदान सर्वश्रेष्ठ दान, अंगदान से कोई ना हो परेशान : अंगदान दुनिया का सबसे बड़ा दान माना जाता है। इसलिए ही इसे महादान भी कहा जाता है। यह दान मनुष्य की मृत्यु के बाद दिया जाता है। लेकिन, कुछ परिस्थितियों में जीवित लोग भी अपने शरीर के अंगों का दान करते है। लेकिन, जीवित रहते हुए व्यक्ति सीमित अंगों को ही दान कर सकता है। जैसे:- किडनी।

अंगदान का सीधा सा अर्थ, किसी व्यक्ति के शरीर के अंगों को निकालकर किसी अन्य व्यक्ति के शरीर में डालना होता है। लेकिन, वह अंग उसके या उसके परिवार की इच्छापूर्वक बिना किसी लाभ के दिया हुआ होना चाहिए। इसके पीछे उनका किसी भी प्रकार का कोई भी स्वार्थ नही होना चाहिए। अंगदान करना पुण्य का कार्य है। इससे कई लोगों को एक नया जीवन मिल सकता है। अंगदान में मनुष्य के कई अंग दान किये जा सकते है। जैसे:- आँखे, ह्रदय, किडनी, छोटी आंत आदि।

अस्पताल : स्वास्थ्य सेवाओं का एक सामाजिक स्थल
व्यक्तिगत स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा सेवाएँ हमारे समाज की महत्वपूर्ण आवश्यकताओं में से एक हैं। अस्पताल एक ऐसा स्थल है जहाँ विभिन्न प्रकार की चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध होती हैं जो मरीजों को सही दिशा में आराम दिलाती हैं।

1. रोगी सेवा विभाग: यह विभाग मरीजों की पहली देखभाल प्रदान करता है। यहाँ पर डॉक्टर और नर्सेज रोगियों के साथ मुख्य रूप से रहते हैं, जिनका मुख्य उद्द्देश्य उनकी स्थिति की गहराई से समझना और उन्हें सही चिकित्सा प्रक्रिया की दिशा में ले जाना होता है।

2. सर्जिकल विभाग: यह विभाग चिकित्सा की विभिन्न शाखाओं में सर्जरी की सेवाएँ प्रदान करता है। यहाँ पर अलग-अलग प्रकार की सर्जरी, जैसे कि ह्रदय सर्जरी, कैंसर सर्जरी, जॉइंट रिप्लेसमेंट, आदि की प्रक्रियाएँ की जाती हैं।

3. पीडियेट्रिक्स विभाग: बच्चों की सेवाओं के लिए यह विभाग महत्वपूर्ण है। यहाँ बच्चों की आरोग्य से संबंधित समस्याओं का समाधान किया जाता है और उनकी विकास में मदद की जाती है।

4. गर्भावस्था और स्त्री स्वास्थ्य विभाग: यह विभाग महिलाओं की गर्भावस्था से लेकर प्रसूति तक की देखभाल प्रदान करता है। यहाँ पर मातृत्व संबंधित समस्याओं का समाधान भी किया जाता है।

5. न्यूरोलॉजी विभाग: यह विभाग न्यूरोलॉजिकल रोगों की चिकित्सा करता है, जैसे कि मस्तिष्क संबंधित समस्याएँ और डिज़ॉर्डर्स।

6. अक्सिडेंट और आपातकालीन विभाग: यह विभाग आपातकालीन स्थितियों में चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करता है, जैसे कि दुर्घटनाओं के बाद की देखभाल और चिकित्सा।

7. अवसाद और मानसिक स्वास्थ्य विभाग: यह विभाग मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की चिकित्सा करता है और अवसाद जैसी समस्याओं के लिए मानसिक समर्थन प्रदान करता है।

8. प्राथमिक देखभाल विभाग: यह विभाग छोटे और सामान्य रोगों की देखभाल प्रदान करता है, जैसे कि फ्लू, बुखार, सामान्य जुखाम, आदि।

इसके अलावा, यह स्वास्थ्य संबंधित जागरूकता फैलाने का महत्वपूर्ण माध्यम भी है जो लोगों को स्वस्थ जीवनशैली की दिशा में प्रोत्साहित करता है।

9. नेत्र विभाग – जहाँ आपको नेत्र सम्बंधित सभी रोगो का ईलाज, कुशल एवं अनुभवी चिकित्सकों द्वारा व आधुनिकतम विधि द्वारा किया जाता है।

सुविधाएं :-

• अनेस्थेशिया (निश्चेतक) • कॉर्डियोलॉजी (एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी) • लेप्रोस्कोपिक सर्जरी एवं जनरल सर्जरी • न्यूरो सर्जरी • प्लास्टिक सर्जरी • जनरल मेडिसिन • प्रसूति एवं स्त्री रोग • जोड़ों का प्रत्यारोपण एवं ऑर्थोपेडिक (हड्डी रोग) • पेडियाट्रिस्क (बाल रोग) • फिजियोथैरेपी • छाती रोग • गेस्ट्रोलॉजी • आँख रोग • दंत रोग • गुर्दा रोग • रेडियोलॉजी • स्किन एवं चर्म रोग • मानसिक रोग • आहार विशेषज्ञ • न्यूटिमा पैथोलॉजी • माइक्रोबायोलोजी • ब्लड बैंक सर्विस उपलब्ध। 24 घण्टे इमरजेंसी सुविधाएं उपलब्ध।

पता : LLRM मेडिकल कॉलेज के सामने, गढ़ रोड, मेरठ, फोन : 9927600666, 9412600666

देशबन्धु

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

एनटीपीसी	4.02 प्रतिशत
पावर ग्रिड	3.00 प्रतिशत
टेक महिंद्रा	2.28 प्रतिशत
टाटा स्टील	2.16 प्रतिशत
टीसीएस	1.96 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

बजाज फाइनेंस	1.12 प्रतिशत
कोटक बैंक	1.09 प्रतिशत
हिंदुस्तान यूनीलीवर	0.91 प्रतिशत
आईटीसी	0.63 प्रतिशत
भारती एयरटेल	0.46 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2500-3000
गेहूं दड़ा	2150-2160
आटा	2800-2290
मैदा	945-950
चोकर	620-630

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

बासमती औसत किस्म	4500-4600
परमल	1750-1775
चावल सेला	2250-2350
आरआर (आठ)	1650-1670

दाल-दलहन

चना	4,850-4,950
दाल चना	4,850-4,950
मसूर काली	7,800-7,900
उड़द दाल	10300-10400
मूंग दाल	7,900-8,000
अरहर दाल	9700-9800

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में टिकाव

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज भी टिकाव रहा, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

थोक मूल्यों में जुलाई में मजबूती पर, थोक मुद्रास्फीति चौथे माह शून्य से नीचे बनी रही

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में खास कर खाद्य वस्तुओं के महंगा होने से थोक बाजार में कुल मिला कर मूल्यों में जुलाई में इसे पिछले माह की तुलना में मजबूती आई पर थोक मुद्रास्फीति शून्य से 1.36 प्रतिशत नीचे रही। जून में थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति शुन्य से 4.12 प्रतिशत नीचे थी।

सोमवार को वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति लगातार चार माह से शून्य से नीचे है। सोमवार को जारी आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि जुलाई, 2023 में मुद्रास्फीति की दर में गिरावट मुख्य रूप से खनिज तेल, प्राथमिक धातुओं, रासायनिक और रसायन उत्पादों, कपड़ा और खाद्य उत्पादों की कीमतों में एक साल पहले की तुलना में कमी चलते आई है।

तजा आंकड़ों के अनुसार थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति जून के 1.32 प्रतिशत की तुलना में बढ़कर 14.25 प्रतिशत हो गई। जुलाई में ईंधन और बिजली मुद्रास्फीति जून के शून्य से 12.36 प्रतिशत नीचे की तुलना में घट कर शून्य से 12.79 प्रतिशत नीचे हो गई।

विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति जुलाई 2023 में शून्य से 2.51 प्रतिशत नीचे रही, जबकि इससे पिछले महीने में यह शून्य से 2.71 प्रतिशत नीचे थी।

वैश्विक जिंस बाजार में कीमतों के बढ़ने और

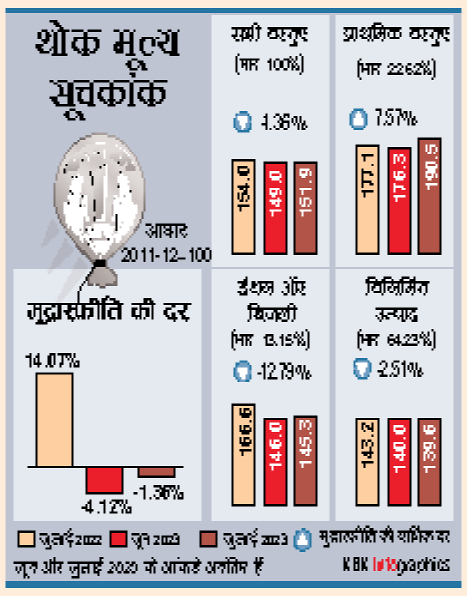

तुलनात्मक आधार प्रभाव कम होने के साथ, आने वाले महीनों में थोक मूल्यू सूचकांक के धीरे-धीरे बढ़ने की उम्मीद है। जून में थोक मूद्रास्फीति रिकार्ड स्तर पर नीचे चली गयी थी। भारतीय रिजर्व बैंक अपनी द्विमासिक मौद्रिक नीति की समीक्षा करते समय खुदरा मुद्रास्फीति पर नज़र रखता है।

जुलाई में निर्यात 16 प्रतिशत घटा, व्यापार घाटा 20.67 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। वैश्विक मांग में मंदी के दबाव में भारत का निर्यात जुलाई 2023 में 32.25 अरब डॉलर रहा जो पिछले वर्ष जुलाई के 38.34 अरब डॉलर के निर्यात की तुलना में करीब 16 प्रतिशत कम है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा आज जारी निर्यात के आंकड़ों के अनुसार जुलाई 2023 में भारत का आयात 52.92 अरब डॉलर रहा, जो जुलाई 2022 में 63.77 अरब डॉलर के आयात की तुलना में 17 प्रतिशत कम है। इसके मद्देनजर जुलाई 2023 में व्यापार घाटा 20.67 अरब डॉलर रहा। इस साल जून में भारत का व्यापार घाटा 20.13 अरब डॉलर था। जुलाई 2023 में भारत का सेवा निर्यात 27.17 अरब डॉलर था, जबकि जुलाई 2022 में यह 24.26 अरब डॉलर था। जुलाई 2023 में सेवा आयात 14.85 अरब डॉलर रहा है।

जुलाई 2023 में भारत का कुल निर्यात (माल और सेवाएँ) 59.43 अरब डॉलर रहा जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 62.59 अरब डॉलर था। इस वर्ष जुलाई के दौरान कुल आयात 67.77 अरब डॉलर रहा जिसके परिणामस्वरूप 8.35 अरब डॉलर का व्यापार घाटा रहा।

सेवाओं की ओर शिफ्ट हो रही है उपभोक्ता मांग, ड्यूरेबल्स में गिरावट

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में कंज्यूमर ड्यूरेबल्स की मांग में वित्त वर्ष 2023 के औसत के मुकाबले गिरावट से पता चलता है कि उपभोक्ता मांग सेवाओं की ओर शिफ्ट हो रही है। नंद राठी शेयर्स एंड स्टॉक ब्रोकर्स के मुख्य अर्थशास्त्री और कार्यकारी निदेशक सुजान हाजरा का मानना है कि यह चक्रीय प्रवृत्ति के बजाय संरचनात्मक हो सकता है। विकास दर कम होने के बावजूद, मुख्य वस्तुओं में मामूली गति ग्रामीण मांग में सुधार का संकेत देती है। जून 2023 में 3.7 प्रतिशत आईआईपी वृद्धि उम्मीद से कम थी और इसने पिछले तीन महीनों की तेजी को उलट दिया। उन्होंने कहा कि वस्तुओं की कमजोर मांग विशेष रूप से चिंताजनक है और यह संरचनात्मक परिवर्तन को दिखाता है।

उन्होंने कहा, फिर भी दूसरे देशों की तुलना में भारत बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। हमें अगले महीने कुछ सुधार की उम्मीद है। ग्रामीण मांग में सुधार के संकेत जारी हैं। लगातार तीन महीनों की तेजी के बाद जून-23 में औद्योगिक विकास में मंदी आई, जिससे औद्योगिक सुधार पर सवाल खड़े हो गए। इससे यह भी पता चलता है कि आरबीआई ने साल के लिए मुद्रास्फीति बढ़ने की संभावना के बावजूद घोषित नवीनतम मौद्रिक नीति में अधिक आक्रामक रुख क्यों नहीं अपनाया। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट में कहा गया है, मंदी पूरी तरह से विनिर्माण क्षेत्र में है, जो जून 23 में तीन महीने के निचले स्तर 3.1 प्रतिशत था। दूसरी ओर, बिजली और खनन उत्पादन जून%23 में क्रमश: 4.2 प्रतिशत सालाना (मई%23 में 0.9 प्रतिशत सालाना) और 7.6 प्रतिशत सालाना (मई-23 में 6.4 प्रतिशत सालाना) की दर से बढ़ा। विनिर्माण क्षेत्र को देखें तो खाद्य उत्पाद, कपड़ा, रासायनिक उत्पाद, निर्मित धातु उत्पाद, कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक और ऑप्टिकल उत्पाद में कमी आई, जबकि फार्मास्यूटिकल्स, रबर और प्लास्टिक, मशीनरी और मोटर वाहन धीमी गति से बढ़े। दूसरी ओर, बुनियादी धातुओं और विद्युत उपकरणों ने अपनी मजबूत विकास गति बनाए रखी। रिपोर्ट में कहा गया है, विश्लेषण से पता चलता है कि विनिर्माण क्षेत्र में 60.2 प्रतिशत वस्तुओं की वृद्धि 5 प्रतिशत से कम रही और 36.6 प्रतिशत वस्तुओं ने संकुचन की सूचना दी।

ओरिएंट इलेक्ट्रिक ने स्वतंत्रता दिवस के लिए रेल भवन, बड़ौदा हाउस व त्रावणकोर हाउस को तिरंगे के रंग में रोशन किया

नई दिल्ली, 14 अगस्त (देशबन्धु)। ओरिएंट इलेक्ट्रिक, जो कि 2.8 बिलियन डॉलर विविधीकृत सीके बिरला ग्रुप का अंग है, ने अपने 'ओरिएंटलाइट्सअप इंडिया' अभियान के अंतर्गत भारत के 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिल्ली में रेल भवन, बड़ोदा हाउस और त्रावणकोर हाउस को तिरंगे के रंग में रोशन किया है। कंपनी ने देश में ही विकसित फसाड लाईटिंग समाधानों का उपयोग कर इन इमारतों को रोशन किया है , जिनमें रोशनी के स्तरों, रंगों, और इफेक्ट्स को कंट्रोलर्स के माध्यम से प्रोग्राम किया जा सकता है। रेल भवन भारतीय रेलवे का मुख्यालय है, बड़ौदा हाउस कभी दिल्ली में बड़ौदा के महाराजा का निवास स्थान था, और त्रावणकोर हाउस, जिसे त्रावणकोर महल के रूप में भी जाना जाता है, एक सांस्कृतिक परिसर और आर्ट गैलरी में तब्दील एक विरासत इमारत है। ओरिएंट ने सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व के इन तीनों स्थलों को तिरंगे रंग में रोशन किया है, जो आगंतुकों के लिए एक सम्मोहक दृश्य बनाता है। ओरिएंट इलेक्ट्रिक लिमिटेड के एग्ज़िक्यूटिव वाईस प्रेसिडेंट, पुनीत धवन ने कहा, "हमें इस विश्वस्तरीय इमारतों को तिरंगे की थीम में रोशन करने पर गर्व है, जो भारतीय रेलवे के उज्जवल भविष्य का प्रतीक है। हमें उम्मीद है कि यह एक अद्वितीय विज़ुअल अनुभव प्रदान करेगा और देशभक्ति की भावना जागृत करने के साथ नाईट टूरिज़्म को बढ़ावा देगा।

'मेक इन इंडिया' पहल के तहत मोबाइल उत्पादन 2 अरब यूनिट को कर गया पार

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। मेक इन इंडिया मोबाइल फोन शिपमेंट ने 2014-2022 के दौरान 2 बिलियन का आंकड़ा पार कर लिया, जिससे 23 प्रतिशत कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट (सीएजीआर) दर्ज की गई। सोमवार को लेटेस्ट रिसर्च में इसका खुलासा हुआ। काउंटरप्वाइंट रिसर्च के अनुसार, डिजिटल लिटरेसी बढ़ाने वाली भारी इंटरनल डिमांड और सरकारी दबाव इस वृद्धि के प्रमुख कारण हैं। जिसके चलते, भारत दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन उत्पादक देश बन गया है। रिसर्च डायरेक्टर तरुण पाठक ने कहा, 2022 में, समग्र बाजार में 98 प्रतिशत से ज्यादा शिपमेंट मेक इन इंडिया थे, जबकि 2014 में वर्तमान सरकार के

सत्ता संभालने के समय यह केवल 19 प्रतिशत था। उन्होंने बताया, भारत में लोकल वेल्यू एडिशन वर्तमान में आठ साल पहले के निम्न एकल अंक की तुलना में औसतन 15 प्रतिशत से अधिक है। कई कंपनियां मोबाइल फोन के साथ-साथ कंपोनेंट्स के निर्माण के लिए देश में यूनिट्स स्थापित कर रही हैं, जिससे निवेश बढ़ रहा है, नौकरियां बढ़ रही हैं और समग्र इकोसिस्टम डेवलप हो रहा है। सरकार अब भारत को सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग एंड एक्सपोर्ट हब बनाने के लिए अपनी अलग-अलग योजनाओं का लाभ उठाने का इरादा रखती है। पाठक ने कहा, आगे बढ़ते हुए, हम प्रोडक्शन में वृद्धि देख सकते हैं, खासकर स्मार्टफोन के लिए, क्योंकि भारत शहरी-ग्रामीण डिजिटल विभाजन को पाटने और मोबाइल फोन निर्यात करने वाला पावरहाउस बनने के लिए तैयार है। मेक इन इंडिया पहल के तहत, सरकार ने चरणबद्ध मैन्युफैक्चरिंग प्रोग्राम की शुरुआत की और लोकल मैन्युफैक्चरिंग और वेल्यू एडिशन को बढ़ावा देने के लिए पिछले कुछ सालों में पूरी तरह से निर्मित यूनिट्स और कुछ प्रमुख कंपोनेंट्स पर आयात शुल्क बढ़ाया।

शेयर बाजार में मामूली बढ़त

मुंबई 14 अगस्त (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों की गिरावट से आज दोपहर तक दबाव में रहे घरेलू शेयर बाजार इंफोसिस, रिलांयस, एलटी, विप्रो और टीसीएस समेत तेरह दिग्गज कंपनियों में हुई लिवाली से मामूली बढ़त पर रहा। बीएसई का संवदी सूचकांक सेंसेक्स 79.27 अंक की तेजी के साथ 65401.92 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 6.25 प्रतिशत बढ़कर 19434.55 अंक पर रहा। हालांकि दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों में बिकवाली हुई, जिससे बीएसई का मिडकैप 0.44 प्रतिशत टूटकर 30,296.88 अंक और स्मॉलकैप 0.50 प्रतिशत गिरकर 35,113.21 अंक पर आ गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 3895 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2170 में गिरावट जबकि 1554 में तेजी रही वहीं 171 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 31 कंपनियों में बिकवाली जबकि 19 में लिवाली हुई वहीं एक के भाव स्थिर रहे। बीएसई में टेक, एफएमसीजी और आईटी समूह की 0.64 प्रतिशत तक की तेजी को छोड़कर शेष 16 समूहों में गिरावट का रुख रहा। इस दौरान कमोडिटीज 1.66, सीडी 0.33, ऊर्जा 0.20, वित्तीय सेवाएं 0.36, हेल्थकेयर 0.48, इंडस्ट्रियल्स 0.06, दूरसंचार 0.34, यूटिलिटीज 0.63, ऑटो 0.23, बैंकिंग 0.29, कैपिटल गुड्स 0.20, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.50, धातु 1.81, तेल एवं गैस 0.40, पावर 0.91 और रियल्टी समूह के शेयर 0.65 प्रतिशत गिर गया।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गिरावट रही। इस दौरान ब्रिटेन

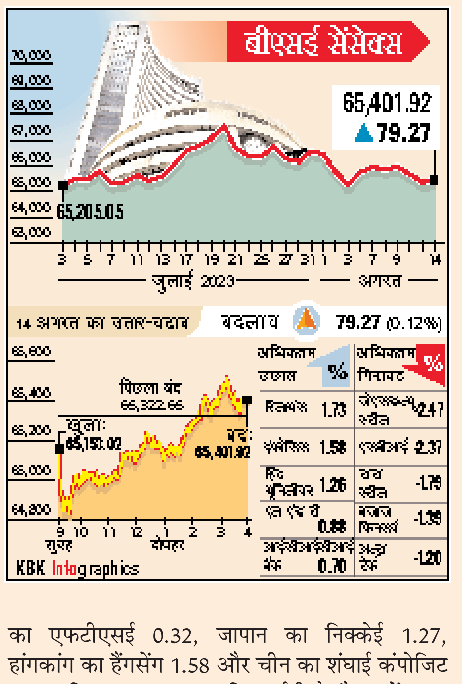

का एफटीएसई 0.32, जापान का निक्केई 1.27, हांगकांग का हैंगसेंग 1.58 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.34 प्रतिशत उतर गया जबकि जर्मनी के डैक्स में 0.53 प्रतिशत की तेजी रही। कारोबार की शुरूआत में सेंसेक्स 170 अंक की गिरावट लेकर 65,153.02 अंक पर खुला और बिकवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 64,821.88 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। वहीं, लिवाली होने से यह लगातार बढ़ता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में 65,517.82 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 65,322.65 अंक के मुकाबले 0.12 प्रतिशत बढ़कर 65,401.92 अंक पर रहा।

इसी तरह निफ्टी 44 अंक उतरकर 19,383.95 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 19,257.90 अंक के निचले जबकि 19,465.85 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 19,428.30 अंक की तुलना में 0.03 प्रतिशत उठकर 19,434.55 अंक पर पहुंच गया। इस दौरान सेंसेक्स की 13 कंपनियों में लिवाली हुई। इंफोसिस ने सबसे अधिक 1.58 प्रतिशत का मुनाफा कमाया। साथ ही हिंदुस्तान यूनीलीवर 1.26, रिलायंस 1.13, एलटी 0.88, आईसीआईसीआई बैंक 0.70, एशियन पेंट 0.46, नेस्ले इंडिया 0.41, एक्सिस बैंक 0.34, विप्रो 0.24, कोटक बैंक 0.18, आईटीसी 0.06, पावरग्रिड 0.06 और टीसीएस के शेयर 0.01 प्रतिशत लाभ में रहे।

वहीं, जेएसडब्ल्यूएस स्टील 2.47, एसबीआई 2.37, टाटा स्टील 1.79, बजाज फिनसर्व 1.39, अल्ट्रासिमको 1.20, इंडसइंड बैंक 0.80, टाटा मोटर्स 0.74, बजाज फाइनेंस 0.64, एचडीएफसी बैंक 0.53, भारती एयरटेल 0.42, मारुति 0.41, टाइटन 0.20, एचसीएल टेक 0.20, सन फार्मा 0.10, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.07, एनटीपीसी 0.07 और टेक महिंद्रा ने 0.01 प्रतिशत का नुकसान उठाया।

जिंसों में टिकाव

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों के साथ ही शेष सभी जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में अगस्त का पाम ऑयल वायदा 10 रिंगिट फिसलकर 3717 रिंगिट प्रति टन पर आ गया गया। वहीं, अगस्त का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.56 सेंट की तेजी लेकर 60.79 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गुड़ और चीनी के भाव पुराने स्तर पर पड़े रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल उड़द दाल और अरहर दाल के दाम स्थिर रहे।

अनाज : अनाज मंडी में टिकाव रहा। इस दौरान चावल और गेहूं के भाव पुराने स्तर पर पड़े रहे।

दाल-दलहन : चना 5400-5500, दाल चना 6400-6500, मसूर काली 7500-7600, मूंग दाल 9100-9200, उड़द दाल 10900-11000, अरहर दाल 10500-10600 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2550-2650 रुपये और **चावल** : 3000-3100 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : चीनी एस 3640-3740, चीनी एम. 3900-4000, मिल डिलीवरी 3520-3620 और गुड़ 4000-4100 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

सार संक्षेप

हीरो मोटोकॉर्प को मुंजाल परिवार का समझौता अनुबंध मिला

नई दिल्ली। हीरो मोटोकॉर्प ने सोमवार को कहा कि उसे कंपनी के प्रमोटरों से पारिवारिक निपटान समझौते का विवरण मिला है। समझौते का उद्देश्य समझौते के पक्षों के बीच सूचीबद्ध इकाई सहित बीएमएल मुंजाल समूह संस्थाओं का विभाजन था। एग्रीमेंट करने की तारीख 27 जुलाई 2016 थी। समझौता बीएमएल मुंजाल परिवार के सदस्यों के बीच निष्पादित किया गया है और सूचीबद्ध इकाई एग्रीमेंट की पक्षकार नहीं है। सूचीबद्ध इकाई का प्रबंधन और नियंत्रण संतोष मुंजाल, रेनू मुंजाल, सुमन कांत मुंजाल और पवन मुंजाल के परिवार समूह के पास होगा, जिसे इसके बाद इसे परिवार समूह कहा जाएगा। सुनील कांत मुंजाल, जिन्हें इसके बाद व्यक्ति के रूप में संदर्भित किया गया है, हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड के प्रबंधन और नियंत्रण से बाहर निकल जाएंगे, जिसमें संयुक्त प्रबंध निदेशक के रूप में रखा गया कोई भी पद शामिल है। ट्रेडमार्क हीरो के उपयोग पर फैमिली ग्रुप और सुनील कांत मुंजाल के बीच एक सहमति बनी। सूचीबद्ध इकाई का प्रबंधन और नियंत्रण फैमिली ग्रुप के पास है और सुनील कांत मुंजाल ने सूचीबद्ध इकाई में संयुक्त प्रबंध निदेशक के पद से इस्तीफा दे दिया है।

जियो ने शुरू की 5जी एमएम वेव स्पेक्ट्रम आधारित सेवा

नई दिल्ली। रिलायंस जियो इंफ़ोकॉम लिमिटेड ने स्पेक्ट्रम बैंड से जुड़े सभी लाइसेंस सर्विस क्षेत्रों में रोल आउट की न्यूनतम ज़रूरतों को पूरा करने की आज घोषणा की। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि स्पेक्ट्रम लेते समय जियो ने वादा किया था कि वह 17 अगस्त 2023 तक इस लक्ष्य को पूरा कर लेगा, लेकिन तय समय से पहले ही जियो ने अपना लक्ष्य प्राप्त कर लिया है। 19 जुलाई 2023 को जियो ने फ़ेज़-1 इन ज़रूरतों को पूरा कर लिया था और 11 अगस्त को दूरसंचार विभाग ने इसे सभी सर्कलों में टेस्ट भी कर लिया था। जियो ने लो बैंड, मिड बैंड और एमएम वेव स्पेक्ट्रम के कोम्बिनेशन को हासिल कर लिया है और डीप-फ़ाइबर नेटवर्क और स्वदेशी टेक्नोलोजी से बने प्लेटफ़ॉर्म को साथ जोड़ते हुए जियो को हर नागरिक तक 5जी पहुँचाने में सहायता मिलेगी। मिलीमीटर वेव बैंड (26 गीगा हर्ट्ज़) में जियो के पास 1000 मेगाहर्ट्ज़ सभी 22 सर्कल में उपलब्ध है। इनके बल पर जियो एंटरप्राइज़ के लिए बेहतर सेवा दे सकता है और साथ ही ये स्ट्रीमिंग सेवाएँ भी दे सकता है। उसने कहा कि जियो भारत के 77वें स्वाधीनता दिवस पर आज़ादी के अमृतकाल में एमएम-वेव पर आधारित जियो ट्रू 5जी की बिज़नेस कनेक्टिविटी देश को सौंप रहा है। कंपनी के अध्यक्ष आकाश अंबानी ने कहा, भारत सरकार, दूरसंचार विभाग और देश के 140 करोड़ लोगों से हमने तेज़ी से 5जी रोल आउट करने का वादा किया था।

मास्टरकार्ड स्ट्राइव इंडिया के लॉन्च की घोषणा

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। मास्टरकार्ड ने आज अपने मास्टरकार्ड स्ट्राइव इंडिया कार्यक्रम के लॉन्च की घोषणा की जिसका लक्ष्य 2025 तक 5,00,000 छोटे व्यवसायों को डिजिटल इकोनोमी में सफल होने में सक्षम बनाना है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि ट्रेड एसोसिएशन, गैर-लाभकारी और सरकारी एजेंसियों के सहयोग से स्ट्राइव इंडिया कार्यक्रम अपने प्रयासों को माइक्रो-एंटरप्राइजेज, महिलाओं के स्वामित्व और नेतृत्व वाले व्यवसायों और कृषि-उद्यमियों पर केंद्रित करेगा। यह कार्यक्रम नए डिजिटल उपकरणों को अपनाने को प्रोत्साहित करने और बाजारों व डिजिटल फाइनेंसियल सेवाओं तक पहुंच को सक्षम करने के लिए भारत के छोटे व्यवसायों तक पहुंचने का प्रयास करेगा।मास्टरकार्ड स्ट्राइव इंडिया मास्टरकार्ड सेंटर फॉर इनक्लूजिव ग्रोथ द्वारा समर्थित परोपकारी कार्यक्रमों के एक पोर्टफोलियो में शामिल हुआ है, जिसका उद्देश्य दुनिया भर में छोटे व्यवसायों को डिजिटल इकोनोमी में पनपने में मदद करना है। अतिरिक्त स्ट्राइव कार्यक्रमों में अमेरिका, ब्रिटेन, मैक्सिको, इंडोनेशिया और मलेशिया आदि शामिल हैं। मास्टरकार्ड सेंटर फॉर इनक्लूजिव ग्रोथ में सोशल इम्पैक्ट, एशिया पैसिफिक की उपाध्यक्ष सुभाषिनी चंद्रन ने कहा, छोटे व्यवसाय भारत के सबसे बड़े एम्प्लॉयर बनने के लिए तैयार हैं, और वे देश की 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की यात्रा में समावेशिता को आधारशिला बनाने में मदद कर सकते हैं।

फॉक्सकॉन भारत में औद्योगिक पार्क लगाएगा, व्यापार को करेगा अनुकूलित

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। हॉन हाई टेक्नोलॉजी ग्रुप (फॉक्सकॉन) ने सोमवार को कहा कि वह भारत में औद्योगिक पार्क स्थापित करने और बुनियादी ढांचे, नीतियों तथा कानूनों के मामले में कारोबारी माहौल को अनुकूलित करने की योजना बनाएगा। फॉक्सकॉन के चेयरमैन यंग लियू ने कहा कि 2005 में भारत में प्रवेश करने के बाद से इसका राजस्व, कर्मचारियों की संख्या और निवेश का पैमाना तेजी से बढ़ा है। लियू ने कंपनी के दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणामों की घोषणा के मौके पर कहा, वर्तमान में, कंपनी मुख्य रूप से आईसीटी फाइनल असेंबली व्यवसाय का काम करती है। भविष्य में हॉन हाई भारत में अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए प्रमुख कंपोनेंट के क्षेत्र में भी सक्रिय रूप से काम करेगी। आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में मौजूदा परिचालन के अलावा, आईफोन निर्माता कर्नाटक, तेलंगाना और अन्य राज्यों में भी अधिक संसाधन तैनात करेगा।

लियू ने कहा, केंद्रीय और स्थानीय सरकारों के साथ घनिष्ठ सहयोग के माध्यम से हॉन हाई औद्योगिक पार्क स्थापित करने और बुनियादी ढांचे, नीतियों और कानूनों के संदर्भ में कारोबारी माहौल को अनुकूलित करने की योजना बनाएगी। कर्नाटक सरकार और फॉक्सकॉन ने इस महीने की शुरुआत में 5,000 करोड़ रुपये के अनुमानित

निवेश परिव्यय के साथ 13,000 नौकरियां पैदा करने के लिए एक लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) पर हस्ताक्षर किए। ये परियोजनाएं आईफोन एंड असेंबली प्लांट के अतिरिक्त हैं, जिसे ताइवानी कंपनी ने लगभग 14,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ बेंगलुरु के बाहरी इलाके देवनहल्ली आईटीआईआर में स्थापित करने की योजना बनाई है। पिछले महीने, ताइवानी इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख ने कहा था कि कंपनी तमिलनाडु के कांचीपुरम जिले में 1,600 करोड़ रुपये की लागत से एक मोबाइल फोन कंपोनेंट विनिर्माण सुविधा स्थापित करेगी।

फिलहाल फॉक्सकॉन के पास एप्पल के लिए आईफोन असेंबल करने की सुविधा चेन्नई के पास है। हॉन हाई ने कहा कि वह आपूर्ति श्रृंखला में सुधार और स्वदेशी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए स्थानीय भागीदारों की सहायता के लिए वियतनाम, थाईलैंड और इंडोनेशिया सहित दक्षिण पूर्व एशिया में बीओएल (बिल्ड-ऑपरेट-लोकलाइज़) रणनीति को लागू करना जारी रखेगा। कंपनी ने कहा, स्थानीय बाजार का विस्तार करने और उपलब्धियों में हिस्सेदारी के लिए हम इन भागीदारों के साथ वैश्विक संसाधनों को भी सक्रिय रूप से साझा करेंगे। हॉन हाई ने 33 अरब न्यू ताईवान डॉलर की शुद्ध आय की सूचना दी और इसका परिचालन लाभ अनुमान से चूक गया। कंपनी को उम्मीद है कि पहले स्थिर राजस्व की भविष्यवाणी के बाद इस साल बिक्री में गिरावट आएगी।

प्रौद्योगिकी के संदर्भ में, अध्यक्ष लियू ने कहा कि एआई सर्वर उद्योग में वन-स्टॉप एकीकृत सेवाएं प्रदान करने की कंपनी की क्षमता प्रमुख प्रौद्योगिकियों, विशेष रूप से ऊर्जा खपत और गर्मी अपव्यय प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान और विकास में इसके निरंतर निवेश में निहित है।

खेल जगत

स्टीवन फिन ने क्रिकेट को अलविदा कहा

लंदन, 14 अगस्त (एजेंसियां)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टीवन फिन ने सोमवार को क्रिकेट के सभी प्रारुपों से संन्यास लेने की घोषणा की। फिन घुटने में चोट लगने के कारण पिछले 12 महीनों से क्रिकेट से दूर थे, जिसके कारण उन्होंने सिर्फ 34 साल की उम्र में ही संन्यास ले लिया। उन्होंने इंग्लैंड के लिये 36 टेस्ट, 69 एकदिवसीय और 21 टी20 मैच खेले और राष्ट्रीय टीम के लिये 29.05 की औसत से कुल 254 विकेट चटकाये। फिन ने अपने काउंटी क्लब ससेक्स द्वारा साझा किये गये एक बयान में कहा, मैं पिछले 12 महीनों से अपने शरीर के साथ लड़ाई लड़ रहा हूं और मैंने हार मान ली है। साल 2005 में मिडिलसेक्स के लिये पदार्पण करने के बाद से मैं अपने पेशे के तौर पर क्रिकेट खेलने में सक्षम होने के लिये अविश्वसनीय रूप से भाग्यशाली महसूस करता हूं। यात्रा हमेशा आसान नहीं रही है, लेकिन फिर भी मैंने इसका आनंद लिया है।

वेस्ट इंडीज ने भारत से पांचवां टी-20 आठ विकेट से जीत सीरीज 3-2 जीती

- सूर्य के तेज अर्द्धशतक पर पूरन की 47 रन की आतिशी पारी भारी
- तिलक वर्मा रहे भारत के लिए टी-20 सीरीज की खोज

सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 14 अगस्त (देशबन्धु)। भारत के सूर्य कुमार यादव के तेज अर्द्धशतक पर सबसे दमदार प्रदर्शन करने वाले वेस्ट इंडीज के निकोलस पूरन की 47 रन की तूफानी पारी लाउडरहिल में सीरीज के पांचवें व अंतिम टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भारी पड़ी। वेस्ट इंडीज ने भारत को रविवार को पांचवें व निर्णायक टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में आठ विकेट से शिकस्त देकर सीरीज 3-2 से जीत ली। पूरन ने वेस्ट इंडीज को अकेले दम दूसरा टी 20 मैच जिता सीरीज में 2-0 की बढ़त दिलाई। वहीं मेहमान भारतीय टीम ने अगले दोनों मैचों में पूरन कों सस्ते आउट कर जीत दर्ज कर दो दो की बराबरी पाई। पूरन पांचवें और निर्णायक 20 मैच में एक बार फिर आतिशी पारी खेल वेस्ट इंडीज को जीत दिला सीरीज उसके नाम कराने में सफल रहे। मैन ऑफ द सीरीज रहे पूरन ने कुल 176 रन बनाए और ब्रेंडन किंग (कुल 196 रन) रन बनाने में दूसरे स्थान पर रहे। अंतिम मैच में मैन ऑफ द' मैच रहे रोमारियो शेफर्ड ने मेजबान टीम की ओर से सीरीज में सबसे ज्यादा नौ विकेट लिए। बाएं हाथ के तिलक वर्मा (कुल 173 रन) भारत के लिए इस टी-20 सीरीज की खोज रहे। भारत के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह (कुल सात विकेट) लेकर बाएं हाथ के लेग स्पिनर कुलदीप यादव(छह विकेट) इस साल भारत में होने वाले वन डे विश्व कप के लिए तैयार दिखश।

चौथे टी-20 में शतकीय भागीदारी करने वाले यशस्वी जायसवाल (5) और शुभमन गिल (9) की सलामी जोड़ी को रविवार अंतिम व निर्णायक टी-20 रात वेस्ट इंडीज के लेफ्ट आर्म स्पिनर अकील हुसैन ने अपने शुरू के दो ओवर में मात्र 17 रन पर आउट कर शुरू में ही ऐसा बिखेरा की सूर्य कुमार यादव(61 रन,45 गेंद,तीन छक्के, चार चौके) और तिलक वर्मा (27 रन, 18, दो छक्के, तीन चौके) की तीसरे विकेट की 49 रन की भागीदारी के बावजूद भारतीय टीम निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट पर 165 रन ही बनाए। वेस्ट इंडीज के तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ के पहले ओवर में 19 रन बनाने वाले तिलक वर्मा का वेस्ट इंडीज के कामचलाउ स्पिनर शाई होप की धीमी गेंद पर उन्हें ही वापस कैच थमा देने से फिर मैच पर पकड़ बनाने की भारत की उम्मीद पर पानी फिर गया। संजू सैमसन(13 रन, 9 गेंद, चौके) और कप्तान हार्दिक पांडया (13 रन, 9 गेंद, दो चौके) कप्तान हार्दिक पांडया (14 रन, 18 गेंद ,एक छक्का) वेस्ट इंडीज के सबसे कामयाब तेज गेंदबाज रोमारियो शेफर्ड (4/31) की गेंद को उड़ाने के फेर तथा अक्षर पटेल(13 रन, 10 गेंद, एक छक्का) जेसन होल्डर (2/36) का शिकार बने। जेसन होल्डर ने ही अंततः पारी के 18 वें ओवर में सूर्य कुमार यादव को एलबीडब्ल्यू आउट किया। सूर्य के रूप में भारत ने छठा विकेट140 रन खोया। शेफर्ड ने भारत की पारी के अंतिम पूर्व और अपने चौथे ओवर में लगातार दो गेंदों में पहले अर्शदीप सिंह (8) को बोल्ड और फिर कुलदीप यादव (0) को एलबीडब्ल्यू आउट किया।

वेस्ट इंडीज ने जीत के लिए 20 ओवर 166 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज कायल मायर्स (10 गेंद, एक छक्का, एक चौका) का विकेट पारी के दूसरे ओवर मे 12 रन पर गंवाया। मायर्स को अर्शदीप ने यशस्वी जायसवाल के हाथों लपकवाया। ब्रेंडन किंग (अविजित 85, 55 गेंद, 6 छक्के, 5 चौके)और निकोलस पूरन (47 रन, 35 गेंद, चार छक्के,एक चौका)की दूसरे विकेट की 107 रन की भागीदारी की बदौलत वेस्ट इंडीज ने दो ओवर के बाकी रहते दो विकेट पर 171 रन बनाकर आठ विकेट से जीत दर्ज की। पूरन को अपनी शॉर्ट पिच गेंदों के जाल में उलझाने का भारत के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह का दांव नहीं चला। अर्शदीप की पहली गेंद पूरन की पसलियो में लगी लेकिन दो गेंद उन्होंने उनकी गेंद पर छक्का जड़ दिया। पूरन को तब किस्मत का साथ मिला जब उन्होंने भारत के कप्तान हार्दिक पांडया की गेंद को पुल करने की कोशिश लेकिन मुकेश गेंद तक पहुंचने के बावजूद कैच लपक नहीं पाए। पूरन ने अगली दो गेंदों पर छक्के जड़ दिएऔर वह आनन फानन में मात्र 9 गेंदों में तीन छक्कों की मदद से 18 रन पर पहुंच गए। पांडया की गेंदों पर पूरन के इन करारे प्रहारों से ब्रेंडन किंग पर भी ाबाव हट गया। खतरनाक दिखाई पड़ते पूरन को आउट करने के मकसद से भारत के कप्तान पांडया ने सीरीज के तीसरे और चौथे मैच में उन्हें आउट कर चुके बाएं हाथ के लेग स्पिनर कुलदीप यादव को मोर्चे पर लगाया। पूरन एक बार फिर कुलदीप यादव की गेंद को चूके और अंपायर ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया लेकिन इस पर उन्होंने डीआरएस और तीसर अंपायर ने फैसला पलट दिया। कुलदीप के अगले ओवर में पूरन ने उनकी गेंद को रिवर्स स्वीप कर चौका जड़ा। पूरन (47) पारी के 14 वें ओवर में अंततः जब भारत के कामचलाउ ऑफ स्पिनर तिलक वर्मा की गेंद को उड़ाने के फेर में लपके गए तब वेस्ट इंडीज का स्कोर दो विकेट पर 119 रन था। ब्रेंडन किंग और शाई होप(22 रन, 13 गेंद एक छक्का, एक चौका)ने तीसरे विकेट के लिए 52 रन की अटूट भागीदारी कर वेस्ट इंडीज को दो ओवर के बाकी रहते मैच जिताने के साथ सीरीज भी 3-2 से जिता दी।

भारतीय निशानेबाजों ने ओलंपिक कोटा पर नजर रखते हुए अभियान शुरू किया

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय राष्ट्रीय शूटिंग टीम ने ब्लू-रिबैंड इवेंट, इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑल इवेंट्स में अपना अभियान शुरू किया, जो आधिकारिक तौर पर सोमवार को अज़रबैजान के बाकू में शुरू हुआ और 1 सितंबर तक चलेगा। पेरिस ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए बाकू विश्व चैम्पियनशिप में भारतीय शूटर्स अपना अभियान शुरु करने के लिए तैयार हैं। 53 सदस्यीय भारतीय दल में से 34 निशानेबाज 15 ओलंपिक स्पर्धाओं में भाग लेंगे जबकि 19 गैर-ओलंपिक स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा करेंगे। शूटिंग बिरादरी द्वारा इस चैम्पियनशिप को ओलंपिक के बराबर या उससे ऊपर रखा जाता है और इस संस्करण में पेरिस 2024 के लिए 48 ओलंपिक कोटा स्थान प्रदान करने का अतिरिक्त आकर्षण है, जो मूल रूप से 17-24 अगस्त के बीच सात दिनों में जीता जाएगा। 18 भारतीय निशानेबाजों और 17 अधिकारियों और सहायक कर्मचारियों का पहला बैच पहले ही बाकू पहुंच चुका है और प्रशिक्षण शुरू कर चुका है। शॉटगन निशानेबाजों का इटली में 11 दिवसीय शिविर था, जबकि राइफल और पिस्टल निशानेबाजों का आयोजन से पहले दिल्ली में आठ दिवसीय राष्ट्रीय शिविर था। भारत ने अब तक तीन पेरिस कोटा जीते हैं और अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ 15 कोटा को बेहतर करने की कोशिश कर रहा है, जो उसने टोक्यो 2020 खेलों के लिए जीता था।

रूद्रांक्ष पाटिल ने पुरुष 10 मीटर एयर राइफल, स्वप्निल सुरेश कुसाले ने पुरुष 50 मीटर राइफल थ्री पाजिशंस (3पी) और भोवनीश मेंडिरत्ता ने पुरुष ट्रैप में भारत के लिए कोटे जीते हैं।

टोक्यो ओलंपियनों में दिव्यांश सिंह पंवार, ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर, मनु भाकर और अंगद वीर सिंह बाजवा ने जगह बनाई है, जबकि रियो 2016 ओलंपियन किनान चेनाई भी पुरुष ट्रैप टीम का हिस्सा हैं। इसके अलावा, पुरुष ट्रैप टीम का हिस्सा 46 वर्षीय ज़ोरावर सिंह संधू हैं, जिन्होंने 25 साल पहले विश्व चैंपियनशिप में पहली बार शूटिंग की थी। 100 से अधिक देशों के करीब 1250 एथलीटों ने बाकू विश्व चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए प्रवेश किया है और भारत टूर्नामेंट से अपने पदक और कोटा को अधिकतम करने के लिए अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद में है।

आईएलटी20 में डेजर्ट वाइपर्स में शामिल हुए शाहीन अफरीदी

दुबई, 14 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सुपरस्टार गेंदबाज शाहीन अफरीदी आईएलटी20 के दूसरे सीजन के पहले डेजर्ट वाइपर्स में शामिल हो गये हैं। आयोजकों ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। साल 2018 में टी20 अंतरराष्ट्रीय में पदार्पण करने के बाद से शाहीन ने सभी प्रारूपों में कुल 239 विकेट ले चुके हैं। आईसीसी ने उन्हें 2022 में साल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना था। नयी गेंद से बल्लेबाजों को परेशान करने के लिये मशहूर शाहीन टी20 क्रिकेट के पहले ओवर में कुल 42 विकेट ले चुके हैं।

शाहीन ने फ्रेंचाइजी के साथ जुड़ने के बाद कहा, मैं डेजर्ट वाइपर्स में शामिल होने के लिये उत्साहित हूं। मैं जानता हूं कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में कई पाकिस्तान क्रिकेट प्रशंसक हैं और मुझे उम्मीद है कि वे आगामी आईएलटी20 में हमारी टीम का समर्थन करेंगे। शाहीन पाकिस्तान की घरेलू फ्रेंचाइजी लीग पीएसएल (पाकिस्तान सुपर लीग) में लाहौर कलंदर की कप्तानी करते हैं। लाहौर फ्रेंचाइजी ने उनकी कप्तानी में पिछले दो पीएसएल खिताब जीते हैं, हालांकि आईएलटी20 में उनकी भूमिका पर कोई जानकारी नहीं दी गयी है।

आयोजकों ने कहा कि आगामी सीज़न के लिये नये अनुबंधों की पूरी सूची अगले कुछ दिनों में जारी की जाएगी। टूर्नामेंट जनवरी-फरवरी 2024 में होने वाला है।

भारतीय जूनियर हॉकी टीमें जर्मनी में 4 देशों के टूर्नामेंट के लिए रवाना

बेंगलुरु, 14 अगस्त (आईएएनएस)। भारतीय जूनियर पुरुष और महिला हॉकी टीमें सोमवार को अपने यूरोपीय दौरे के लिए रवाना हो गईं। वे डसेलडोर्फ में 4 देशों के हॉकी टूर्नामेंट के लिए जर्मनी के लिए उड़ान भरेंगी। भारतीय टीमें इंग्लैंड, स्पेन और मेजबान जर्मनी के खिलाफ एक्शन में नजर आएंगी।

यह टूर्नामेंट आगामी एफआईएच जूनियर विश्व कप 2023 की तैयारियों का हिस्सा होगा, जो 5 से 16 दिसंबर तक मलेशिया में पुरुष टीम का खेला जाएगा और महिला एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप, जो 29 नवंबर से सैंटियागो, चिली में खेला जाएगा।

उत्तम सिंह की अनुपस्थिति में, जो प्रशिक्षण शिविर के दौरान लगी चोट के कारण यात्रा करने में असमर्थ हैं, उनकी जगह विष्णुकांत सिंह जूनियर पुरुष टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि उत्तम के स्थान पर सौरभ आनंद कुशवाह को टीम में शामिल किया गया है। वहीं बॉबी सिंह धामी उप-कप्तान रहेंगे। इस बीच, जूनियर

महिलाओं की कप्तानी प्रीति करेंगी और रुतुजा दादासो पिसल उनकी डिप्टी होंगी। जूनियर पुरुष टीम 18 से 22 अगस्त तक जबकि जूनियर महिला टीम 19 से 23 अगस्त तक एक्शन में रहेगी। टीम की रवानगी से पहले जूनियर पुरुष कप्तान विष्णुकांत ने कहा, हम वास्तव में इस दौरे का इंतजार कर रहे हैं। एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप से पहले अच्छी टीमों के खिलाफ खेलने से हमें सीखने का अच्छा अनुभव मिलेगा। इस बीच, जूनियर महिला कप्तान प्रीति ने कहा, हम प्रशिक्षण सत्र कर रहे हैं। तैयारी वास्तव में अच्छी रही है, और हमारा पिछला प्रदर्शन खिलाड़ियों के लिए काफी आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। हमारे पास दिसंबर में एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप 2023 आ रहा है। इसलिए यह हमारे लिए उन रणनीतियों को लागू करने का एक अच्छा समय होगा जिन पर हम काम कर रहे हैं।

भारतीय जूनियर पुरुष टीम का शेड्यूल

18 अगस्त - भारत बनाम स्पेन
19 अगस्त - भारत बनाम जर्मनी
21 अगस्त - भारत बनाम इंग्लैंड

भारतीय जूनियर महिला टीम का शेड्यूल

19 अगस्त - भारत बनाम जर्मनी
20 अगस्त - भारत बनाम इंग्लैंड
22 अगस्त - भारत बनाम स्पेन

वर्ल्ड कप में तिलक वर्मा का हो सकता है सेलेक्शन : रॉबिन उथप्पा

लॉडरहिल, (यूएसए), 14 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा का मानना है कि वनडे विश्व कप टीम में युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा का चयन चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन के बीच चर्चा का विषय होगा। तिलक वर्मा, जिन्होंने अभी तक अपना वनडे डेब्यू नहीं किया है, अपने शुरुआती अंतरराष्ट्रीय दौरे के दौरान टी20 श्रृंखला में भारत के बेस्ट परफॉर्मर के रूप में उभरे हैं। इस युवा बल्लेबाज ने वेस्टइंडीज में 5 मैचों की टी20 सीरीज में 173 रन बनाए।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज में जिस तरह का प्रदर्शन तिलक ने किया उसको लेकर काफी चर्चा हो रही है। यहां तक कि उन्हें वर्ल्ड कप में शामिल किए जाने की मांग की जा रही है। इस बीच पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा के मुताबिक तिलक वर्मा ने जिस तरह का

प्रदर्शन अपने डेब्यू सीरीज में किया है, वो सेलेक्टर्स की नजरों में जरूर होंगे। उथप्पा ने कहा, हम जानते हैं कि वह ऐसा व्यक्ति है जो जिम्मेदार हो सकता है और पांचवें टी-20 मैच में भी पहले दो विकेट गिरने के बाद उसने जिस तरह की साझेदारी की, वो देखना काफी अच्छा था। केएल राहुल, ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर की इंजरी के कारण भारत के मध्य क्रम के सामने आने वाली चुनौतियों के साथ-साथ वनडे में सूर्यकुमार यादव की कठिनाइयों को देखते हुए, ऐसी संभावना है कि तिलक विश्व कप टीम में अंतिम समय में शामिल हो सकते हैं। रॉबिन उथप्पा ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि तिलक को भारतीय वनडे टीम में शामिल करने से कप्तान के पास एक स्पिन गेंदबाजी विकल्प और बढ़ जाएगा।

सीमित ओवर में भारत बेहद सामान्य रहा है : प्रसाद

पूर्व भारतीय गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने वेस्ट इंडीज के विरुद्ध टी20 श्रृंखला में हार के बाद भारत को 'सामान्य स्तर की सीमित ओवर टीम' बताते हुए आत्मनिरीक्षण की मांग की है। वेस्ट इंडीज ने रविवार को खेले गये निर्णायक टी20 में भारत को आठ विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज 3-2 से जीत ली। भारत इससे पहले कभी भी पांच मैचों की टी20 श्रृंखला नहीं हारा था, जबकि विंडीज के विरुद्ध टी20 श्रृंखला में उसे आखिरी बार 2006 में हार मिली थी। प्रसाद ने सोमवार को ट्वीट किया, भारत कुछ समय से सीमित ओवर क्रिकेट में बेहद ही सामान्य टीम रही है। कुछ महीनों पहले टी20 विश्व कप के लिये भी क्वालीफाई न करने वाली वेस्ट इंडीज ने उन्हें हरा दिया है। हम बंगलादेश से भी (दिसंबर 2022 में) एकदिवसीय श्रृंखला हारे थे। आशा है कि टीम नासमझी वाले बयान देने के बजाय आत्मनिरीक्षण करेगी। प्रसाद ने कहा कि भारत को खराब प्रदर्शन करते देखना और उसे प्रक्रिया के नाम पर नज़रंदाज़ कर देना दुखद लगता है।

सिनर ने जीता करियर का पहला मास्टर्स 1000 खिताब

टोरंटो, 14 अगस्त (एजेंसियां)। इटली के 21 वर्षीय प्रतिभावान खिलाड़ी जैनिक सिनर ने कनाडाई ओपन 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर को हराकर अपने करियर का पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीत लिया है। सातवीं सीड सिनर ने रविवार को मात्र एक घंटे 30 मिनट चले एकतरफा फाइनल में डी मिनौर को 6-4, 6-1 से मात दी। गैर वरीयता प्राप्त डी मिनौर अपने स्वप्निल कनाडाई ओपन अभियान में दूसरी सीड दानिल मेदवेदेव सहित कई बड़े नामों को पछाड़कर फाइनल तक पहुंचे थे, हालांकि सिनर के आगे वह कोई खास चुनौती पेश नहीं कर सके। सिनर मियामी 2021 और 2023 में अपने पिछले दोनों मास्टर्स 1000 फाइनल हार गये थे लेकिन डी मिनौर के खिलाफ उन्होंने अद्भुत अनुशासन का प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने ऑस्ट्रेलियाई प्रतिद्वंदी की सर्विस पांच बार तोड़ी और फैबियो फोगनिनी (मॉन्टे कार्लो 2019) के बाद मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले दूसरे इतालवी खिलाड़ी बन गये।

सिनर ने जीत के बाद कहा, यह मेरे लिये बहुत मायने रखता है। यह नतीजा शानदार है। मैं अपने करीबी लोगों के साथ इसे हर दिन साझा कर सकता हूं। यह उनके साथ बांटने के लिये एक शानदार पल है। इस जीत से मैं बहुत अच्छा और मज़बूत महसूस करवाया है। इसने मेरे अंदर भविष्य में और अधिक मेहनत करने की भूख जगाई है।

सार संक्षेप

सैमसनोवा को हराकर पेगुला बनीं कनाडाई ओपन चैंपियन

मॉन्ट्रियाल। अमेरिका की अनुभवी टेनिस खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने कनाडाई ओपन 2023 के फाइनल में रूस की लियुडमिला सैमसनोवा को हराकर अपने करियर का दूसरा डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीत लिया है। विश्व की नंबर तीन पेगुला ने रविवार को खेले गये फाइनल में नंबर 18 सैमसनोवा को 6-1, 6-0 से मात दी। सैमसनोवा कुछ घंटों पहले खेले गये सेमीफाइनल में कज़ाकिस्तान की एलिना रिबाकिना को हराकर आ रही थीं इसलिये थकी हुई प्रतिद्वंदी को मात देना पेगुला के लिये अत्यधिक आसान साबित हुआ। साल 2013 में सेरेना विलियम्स की जीत के बाद पेगुला एक दशक में कनाडाई ओपन जीतने वाली पहली अमेरिकी हैं। ग्वाडलाजारा में पिछले साल अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीतने के बाद पेगुला अब सेरेना और वीनस विलियम्स के साथ एक से अधिक डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीतने वाली तीसरी अमेरिकी खिलाड़ी बन गयी हैं। पेगुला ने जीत के बाद कहा, हम टूर्नामेंट जीतने और हर हफ्ते खिताब जीतने के लिये दौरे पर निकलते हैं, लेकिन टेनिस वास्तव में कठिन हो सकता है जहां आप कभी-कभी बहुत कुछ हार जाते हैं। जब आप बहुत सारे मैच जीत रहे हों, तब भी टूर्नामेंट नहीं जीत पा रहे हों तो स्थिति कठिन हो सकती है। उन्होंने कहा, इस सप्ताह की तरह एक सप्ताह जीतना सभी कोशिशों को सार्थक बना देता है। आप और अधिक के लिये आगे बढ़ना चाहते हैं। मैं कल सिनसिनाटी में तुरंत वापस आऊंगी।

श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर सेनानायके मैच फिक्सिंग के आरोप में फंसे

कोलंबो। कोलंबो में मुख्य मजिस्ट्रेट अदालत ने मैच फिक्सिंग के आरोप में श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर सचित्र सेनानायके के खिलाफ जांच शुरू होने के बाद उनके विदेश यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया है। मैच फिक्सिंग के संगीन आरोप में घिरे श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर सचित्र सेनानायके की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। सेनानायके, जिन्होंने 2012 और 2016 के बीच द्वीप राष्ट्र में एक टेस्ट, 49 वनडे और 24 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, उन पर 2020 में लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) के दौरान मैच फिक्स करने की कोशिश करने का आरोप लगाया गया है। इस मामले की जांच चल रही है और कोर्ट ने सचित्र के विदेशी यात्रा करने पर तीन महीने का बैन लगा दिया है। पूर्व ऑफ स्पिनर के खिलाफ आपराधिक आरोप लगाने के लिए खेल मंत्रालय की विशेष जांच इकाई (एसआईयू) को अटॉर्नी जनरल (एजी) के निर्देशों के बाद अदालत ने सेनानायके को तीन महीने के लिए देश छोड़ने से रोक दिया।

टीम अभी बन रही है, उतार-चढ़ाव आएंगे : राहुल द्रविड़

लॉडरहिल (यूएसए), 14 अगस्त (एजेंसियां)। टीम इंडिया की वेस्टइंडीज से पांच मैचों की टी20 सीरीज में हार के बाद मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने अपनी टीम का बचाव करते हुए कहा कि यह एक विकासशील टीम है और उन्हें पता है कि फॉर्म में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा। उनकी नजर में कम अनुभवी खिलाड़ियों को बरकरार रखा जाना चाहिए। द्रविड़ ने मैच के बाद कहा, हमने 0-2 से पिछड़ने के बाद अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन हम आज जीत नहीं सके। अगर आप पांच मैचों को देखें तो हमने कुछ गलतियां कीं, लेकिन ऐसा हो सकता है।

यह एक युवा और बढ़ती हुई टीम है, इसलिए ऐसे समय आएंगे जब उतार-चढ़ाव होगा। निश्चित रूप से हम निराश हैं... वेस्टइंडीज को श्रेय जाता है। वे एक अच्छी टी20 टीम हैं और अपनी घरेलू परिस्थितियों में खेलते हुए वे विशेष रूप से अच्छा खेलते हैं। वेस्टइंडीज ने रविवार को फ्लोरिडा में पांचवें और अंतिम टी20 मैच में भारत को आठ विकेट से हराकर छह साल के सूखे को तोड़ते हुए पांच मैचों की श्रृंखला अपने नाम कर ली। सलामी बल्लेबाज ब्रेंडन किंग (85 नॉट आउट) और प्लेयर ऑफ द सीरीज निकोलस पूरन (47) मैच के सितारे थे। वेस्टइंडीज ने दो ओवर शेष रहते भारत के 165/9 के कुल स्कोर का सफलतापूर्वक पीछा किया और यह सुनिश्चित किया कि कैरेबियाई टीम सीरीज में 3-2 से जीत दर्ज करे।

यह 2017 के बाद से वेस्टइंडीज की भारत पर पहली टी20 श्रृंखला जीत थी, जबकि इस हार ने भारत की लगातार 12 द्विपक्षीय श्रृंखलाओं में अजेय रहने के क्रम को तोड़ दिया। एशियाई टीम दो

साल से अधिक समय में पुरुषों की टी20 में अपनी पहली सीरीज हारी है।

यह एक युवा और बढ़ती हुई टीम है, इसलिए ऐसे समय आएंगे जब उतार-चढ़ाव होगा। निश्चित रूप से हम निराश हैं... वेस्टइंडीज को श्रेय जाता है। वे एक अच्छी टी20 टीम हैं और अपनी घरेलू परिस्थितियों में खेलते हुए वे विशेष रूप से अच्छा खेलते हैं: राहुल द्रविड़

हार्दिक पांड्या ने खुद पर ली हार की जिम्मेदारी

कप्तान हार्दिक पंड्या ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 सीरीज के निर्णायक मैच में भारत की हार के बाद अपनी गलती स्वीकार कर ली है और कहा है कि जब वह बल्लेबाजी करने आए तो मौके का फायदा नहीं उठा पाए। वेस्टइंडीज के खिलाफ टीम इंडिया को पांच मैचों की टी20 सीरीज में 2-3 से हार का सामना करना पड़ा है। इस हार के बाद टीम पर कई सवाल उठ रहे हैं। इस बीच कप्तान हार्दिक पांड्या ने खुद पर हार की जिम्मेदारी ली है। हार्दिक पहली पारी के 11वें ओवर में क्रीज पर आए और 18 गेंदों पर सिर्फ 14 रन बना पाए। उन्होंने अपनी पारी की 16वीं गेंद पर अपना पहला और एकमात्र छक्का लगाया। टीम इंडिया ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 165 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज ने आठ विकेट और दो ओवर शेष रहते इसे हासिल कर लिया। हार्दिक पांड्या ने कहा, अगर आप देखें, तो जब मैं बल्लेबाजी करने आया, तब तक हम मोमेंटम खो चुके थे। मुझे लगता है कि मैं स्थिति का फायदा नहीं उठा सका और अपना समय लिया लेकिन मैं फिनिश नहीं कर पाया। मुझे लगता है कि लड़कों ने अच्छा खेला लेकिन मैं उस समय उसके अनुसार खेलने में असफल रहा।

कप्तान के तौर पर भी हार्दिक ने कुछ ऐसे कॉल लिए जिससे बहस छिड़ गई है। उन्होंने खेल की शुरुआत में ही अपने तेज गेंदबाजों से ज्यादा ओवर डलवाए, ये एक ऐसा कदम था जिससे टीम को बिल्कुल भी फायदा नहीं मिला। जब हार्दिक से लॉडरहिल में गेंदबाजी में बदलाव का निर्णय लेते समय उनकी विचार प्रक्रिया के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, उस पल मैं ऐसा महसूस करता हूं। मैं इसके बारे में ज्यादा योजना नहीं बनाता। अगर मैं स्थिति को देखता हूं और अगर मुझे विश्वास है कि कौन सा बेहतर विकल्प है। यह कोई रॉकेट साइंस नहीं है, यह तो बस वही है जो उस समय मेरा मन कहता है। हालांकि इन सब के बीच हार्दिक पांड्या ने एक चौंकाने वाला बयान दिया जिसकी हर तरफ चर्चा हो रही है। कप्तान के मुताबिक मैच में हारना भी जरूरी होता है।